श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
बी-४ कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-११००१६

दिनांक १९.०६.२०२३ को पूर्वाह्न ११.०० बजे आयोजित विद्यापरिषद् की सातवीं बैठक का कार्यवृत्त।

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय (केन्द्रीय विश्वविद्यालय), नई दिल्ली की विद्या परिषद् की सातवीं बैठक दिनांक 19.06.2023 को पूर्वाह्न 11.00 बजे कुलपति महोदय की अध्यक्षता में द्विप्रकारक (ऑफलाइन/ऑनलाइन) उपस्थिति के माध्यम से वाचस्पति सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में निम्नलिखित सदस्यों ने भाग लिया:-

1.	प्रो. मुरलीमनोहर पाठक	अध्यक्ष	
2.	प्रो. मृदुला त्रिपाठी	बाह्य सदस्या	(ऑनलाईन)
3.	प्रो. बनारसी त्रिपाठी	बाह्य सदस्य	
4.	प्रो. मनोज कुमार मिश्र	बाह्य सदस्य	
5.	प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय	सदस्य	
6.	प्रो. पीयूष कान्त दीक्षित	सदस्य	
7.	प्रो. जयकान्त सिंह शर्मा	सदस्य	
8.	प्रो. ए.एस. अरावमुदन	सदस्य	
9.	प्रो. मीनू कश्यप	सदस्या	
10.	प्रो. शीतला प्रसाद शुक्ल	सदस्य	
11.	प्रो. महेश प्रसाद सिलोड़ी	सदस्य	
12.	प्रो. सुदीप कुमार जैन	सदस्य	
13.	प्रो. देवी प्रसाद त्रिपाठी	सदस्य	
14.	प्रो. मारकण्डेनाथ तिवारी	सदस्य	
15.	प्रो. रामानुज उपाध्याय	सदस्य	
16.	प्रो. नीलम ठगेला	सदस्या	
17.	प्रो. यशवीर सिंह	सदस्य	
18.	प्रो. के. अनन्ता	सदस्य	
19.	प्रो. शिवशंकर मिश्र	सदस्य	
20.	प्रो. महानन्द झा	सदस्य	(ऑनलाईन)
21.	प्रो. कुलदीप कुमार	सदस्य	

सत्यापित
VERIFIED

कुलसचिव / Registrar
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी-4, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

सहायक कुलसचिव (शैक्षणिक)
Assistant Registrar (Academic)
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी-4, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

22. प्रो. वृन्दावन दाश	सदस्य	(ऑनलाईन)
23. प्रो. राम सलाही द्विवेदी	सदस्य	
24. डॉ. एस.सुदर्शन	सदस्य	(ऑनलाईन)
25. डॉ. आदेश कुमार	सदस्य	
26. प्रो. भागीरथि नन्द	सदस्य	
27. प्रो. जगदेव कुमार शर्मा	सदस्य	
28. डॉ. मनोज कुमार मीणा	सदस्य	
29. डॉ. फणीन्द्र चौधरी	सदस्य	
30. प्रो. प्रेम कुमार शर्मा	कुलसचिव (प्रभारी)एवं सचिव	

प्रो. रमेश प्रसाद पाठक, प्रो. वीर सागर जैन, प्रो. सदन सिंह, प्रो. धर्मानन्द राउत एवं प्रो. प्रभाकर प्रसाद किन्हीं कारणवश विद्यापरिषद् की बैठक में सम्मलित नहीं हो सके।

प्रो. शीतला प्रसाद शुक्ल, पीठ प्रमुख (साहित्य एवं संस्कृति) के मंगलाचरण उपरान्त बैठक की कार्यवाही प्रारम्भ की गई।

प्रो. मुरलीमनोहर पाठक, अध्यक्ष, विद्या परिषद् द्वारा विद्या परिषद् में उपस्थित बाह्य सदस्यों एव अन्य सभी सदस्यों का अभिनन्दन किया गया तथा सभी सदस्यों को विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों में अधिक से अधिक सुझाव एवं मार्गनिर्देशन प्रदान करने का अनुरोध किया गया जिससे विश्वविद्यालय को उन्नति के मार्ग पर आरुढ़ किया जा सके। विश्वविद्यालय की समस्त शैक्षणिक एवं प्रशासनिक गतिविधियों का संचालन शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार एवं विश्वविद्यलाय अनुदान आयोग के दिशा-निर्देशानुसार सुचारु रूप से पूर्ण किया जा रहा है तथा शैक्षणिक सत्र 2022-23 में छात्रों के प्रवेश हेतु समयबद्ध तरीके से किये गये कार्यों तथा समस्त पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत छात्रों की सत्रीय परीक्षाएँ सम्पन्न कराने के लिए विश्वविद्यालय के समस्त शैक्षणिक वर्ग एवं गैर-शैक्षणिक वर्ग के सदस्यों की भूमिका सराहनीय है। कुलपति महोदय की स्वीकृति के उपरान्त कुलसचिव (प्रभारी) द्वारा विद्या परिषद् की सातवीं बैठक के लिए तैयार कार्यसूची को क्रमानुसार प्रस्तुत किया गया।

संकल्प संख्या ७.१: विद्या परिषद् की दिनांक २९.०८.२०२२ को सम्पन्न षष्ठ बैठक में लिये गये निर्णयों की पुष्टि। ।

विद्या परिषद् द्वारा दिनांक 29 अगस्त 2022 को सम्पन्न हुई षष्ठ बैठक में लिये गये निर्णयों की पुष्टि की गयी।

सत्यापित
VERIFIED

सहायक कुलसचिव (शैक्षणिक)
Assistant Registrar (Academic)
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी-४, कुतुब संस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

कुलसचिव / Registrar
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी-4, कुतुब संस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi

संकल्प संख्या ७.२: विद्या परिषद् की दिनांक २९.०८.२०२२ को सम्पन्न हुई षष्ठ बैठक में लिये गये निर्णयों पर कृत कार्यवाही के प्रतिवेदन की पुष्टि।

दिनांक 29.8.2022 को सम्पन्न हुई षष्ठ बैठक में लिये गये निर्णयों पर क्रियान्वयन के विषय पर प्रस्तुत कृत कार्यवाही की विद्या परिषद् द्वारा पुष्टि की गई । विद्या परिषद् द्वारा यह निर्णय भी लिया गया कि जिन विषयों पर कृत कार्यवाही किन्हीं कारणवश अभी तक अपेक्षित है, सम्बन्धित विभाग / समिति उन विषयों पर यथाशीघ्र आवश्यक कार्यवाही सम्पन्न कर कृत कार्यवाही की रिपोर्ट स्वीकृति हेतु प्रस्तुत करें ।

संकल्प संख्या ७.३: विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशानुसार Curriculum and Credit Framework for Undergraduate Programmes के अनुपालन में पाठ्यक्रम प्रारूप तैयार करने हेतु गठित समिति की दिनांक १८.०१.२०२३ को आयोजित बैठक में लिये गये निर्णयों का कार्यवृत्त विद्यापरिषद् की पुष्टि हेतु सादर प्रस्तुत।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में प्रदत्त प्रावधानों के अनुसार विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशानुसार Curriculum and Credit Framework for Undergraduate Programmes को विश्वविद्यालय में लागू करने हेतु पाठ्यक्रम प्रारूप समिति द्वारा तैयार शास्त्री/बी.ए. योग, प्रथम वर्ष, द्वितीय वर्ष एवं तृतीय/चतुर्थ वर्ष के छात्रों हेतु निर्धारित नवीन पाठ्यक्रम प्रारूप को विश्वविद्यालय में लागू करने की विद्या परिषद् द्वारा पुष्टि की गयी। पाठ्यक्रम समिति द्वारा निर्धारित प्रारूप के अनुसार सम्बन्धित विभागों द्वारा तैयार संशोधित पाठ्यक्रमों को संज्ञान में लेते हुए विद्या परिषद् द्वारा यह निर्णय लिया गया कि नवीन पाठ्यक्रम शैक्षणिक सत्र 2023-24 में शास्त्री एवं बी.ए. योग पाठ्यक्रमों में पंजीकृत होने वाले छात्रों पर लागू होगा। सम्बन्धित विभागों द्वारा तैयार पाठ्यक्रम विभाग के अध्ययन मण्डल के समक्ष स्वीकृति हेतु प्रस्तुत करना अनिवार्य है। कार्य की महत्ता एवं समयबद्धता को संज्ञान में लेते हुए विद्या परिषद् द्वारा कुलपति महोदय को अधिकृत करते हुए यह निर्णय लिया गया कि जिन विभागों द्वारा अध्ययन मण्डल की बैठक अभी तक सम्पन्न नहीं की गयी है, वे 15 जुलाई, 2023 तक अनिवार्य रूप से अपने-अपने विभाग के अध्ययन मण्डल की बैठक आयोजित कर कृत कार्यवाही की रिपोर्ट कुलपति महोदय की स्वीकृति हेतु प्रस्तुत करेंगे। अध्ययन मण्डल द्वारा लिये गये निर्णयों के कार्यवृत्त विद्यापरिषद् को आगामी बैठक में पुष्टि हेतु प्रस्तुत किया जायेगा ।

संकल्प संख्या ७.४: शैक्षणिक सत्र २०२१-२२ में अस्थायी रूप से पंजीकृत शोध छात्रों के स्थायी पंजीकरण हेतु दिनांक ०२, ०३ एवं ०४ जनवरी २०२३ को आयोजित शोध मण्डल की बैठक का कार्यवृत्त विद्या परिषद् की पुष्टि हेतु प्रस्तुत।

सत्यापित
VERIFIED

शैक्षणिक सत्र 2021-22 में विद्यावारिधि पाठ्यक्रम में पंजीकरण हेतु शोध मण्डल की बैठक दिनांक 2, 3 एवं 4 जनवरी, 2023 को आयोजित की गई थी । शोध मण्डल के समक्ष सम्बन्धित विभागों में पंजीकृत 48 शोध छात्रों द्वारा प्रस्तुतीकरण किया गया। शोध मण्डल द्वारा विद्यावारिधि उपाधि हेतु प्रदत्त नियमों के अनुपालन में शोधार्थियों के स्थायी पंजीकरण की अनुशंसा की गयी। विद्या परिषद् द्वारा शोध मण्डल की बैठक में पारित संस्तुतियों के कार्यवृत्त की पुष्टि की गयी ।

सहायक कुलसचिव (शैक्षणिक)
Assistant Registrar (Academic)
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी-4, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

कुलसचिव / Registrar
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी-4, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

संकल्प संख्या ७.५: शैक्षणिक सत्र २०२३-२४ में नियमित एंव अंशकालीन पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु गठित समिति द्वारा तैयार शैक्षणिक नियम-परिचायिका विद्या परिषद् की पुष्टि हेतु सादर प्रस्तुत।

शैक्षणिक सत्र 2023-24 में नियमित एवं अंशकालीन पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु शैक्षणिक-नियम-परिचायिका तैयार करने हेतु गठित समिति द्वारा तैयार शैक्षणिक नियम-परिचायिका 2023-24 की विद्या परिषद् द्वारा पुष्टि की गयी।

संकल्प संख्या ७.६: केन्द्रीय शोध समीक्षा समिति की बैठकों में लिए गए निर्णयों का कार्यवृत्त विद्या परिषद् की पुष्टि हेतु प्रस्तुत।

विद्या परिषद् द्वारा केन्द्रीय शोध समीक्षा समिति की बैठकों में लिये गये निर्णयों की पुष्टि की गयी। विद्या परिषद् द्वारा यह भी सुझाव दिया गया कि सभी पीठ प्रमुख एवं विभागाध्यक्ष / मार्गनिर्देशक अपने-अपने विभाग में पंजीकृत शोध छात्रों को यू.जी.सी. द्वारा जारी विनियमों के संबंध में समय-समय पर जानकारी प्रदान करें ताकि शोध छात्र अपना शोध कार्य निर्धारित नियमों के अनुसार पूर्ण करें।

संकल्प संख्या ७.७: विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार शैक्षणिक कैलेण्डर २०२३-२४ तैयार करने हेतु गठित समिति की बैठक का कार्यवृत्त विद्यापरिषद् की पुष्टि हेतु सादर प्रस्तुत।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार शैक्षणिक कैलेण्डर 2023-24 तैयार करने हेतु गठित समिति की बैठक के कार्यवृत्त की विद्या परिषद् द्वारा पुष्टि की गयी। विद्या परिषद् के सदस्यों को यह भी अवगत करवाया गया कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुपालन में विश्वविद्यालय द्वारा लिये गये निर्णयानुसार शैक्षणिक सत्र 2023-24 में समस्त पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु लिखित प्रवेश परीक्षा का आयोजन राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (सी.यू.ई.टी.) द्वारा किया जा रहा है।

संकल्प संख्या ७.८: छात्रावास परिचय एवं नियमावली विद्यापरिषद् की पुष्टि हेतु प्रस्तुत।

विश्वविद्यालय परिसर में स्थित छात्रावास को छात्रों को आबंटित करने हेतु गठित समिति द्वारा छात्रावास परिचय एवं नियमावली को शैक्षणिक सत्र 2022-23 एवं 2023-24 हेतु तैयार नियमावली को विश्वविद्यालय में लागू करने हेतु लिये गये निर्णयों के कार्यवृत्त की विद्या परिषद् द्वारा पुष्टि की गयी।

सत्यापित
VERIFIED

संकल्प संख्या ७.९: शैक्षणिक सत्र २०२२-२३ में नियमित एवं अंशकालिक पाठ्यक्रमों में प्रविष्ट छात्रों की सूची विद्या परिषद् के सूचनार्थ प्रस्तुत।

शैक्षणिक सत्र 2022-23 में विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश ऑनलाइन माध्यम से किया गया था। छात्रों से सम्बन्धित प्रस्तुत की गयी सूची में पाठ्यक्रमों के अनुसार दर्शाये गये छात्रों का प्रवेश विद्यापरिषद् द्वारा अनुमोदित किया गया।

सहायक कुलसचिव (शैक्षणिक)
Assistant Registrar (Academic)
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी-४, कुतुब संस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

कुलसचिव / Registrar
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी-4, कुतुब संस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
बी-४ कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली ११००१६

दिनांक ०६ नवम्बर, २०२० को पूर्वाह्न ११.३० बजे आयोजित विद्वत्परिषद् की द्वितीय बैठक का कार्यवृत्त।

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, केन्द्रीय विश्वविद्यालय, नई दिल्ली की विद्वत्परिषद् की द्वितीय बैठक दिनांक 06 नवम्बर, 2020 को पूर्वाह्न 11.30 बजे कुलपति महोदय की अध्यक्षता में वाचस्पति सभागार में सम्पन्न हुई। कोविड-19 महामारी के कारण इस बैठक का आयोजन द्विप्रकारक (ऑफ / ऑनलाइन) उपस्थिति के माध्यम से किया गया। बैठक में निम्नलिखित सदस्यों ने भाग लिया।

निम्नलिखित सदस्य व्यक्तिगत रूप में बैठक में उपस्थित हुए:

1.	प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय	अध्यक्ष
2.	प्रो. राम नाथ झा	बाह्य सदस्य
3.	प्रो. रमाकान्त पाण्डेय	बाह्य सदस्य
4.	प्रो. नागेन्द्र झा	सदस्य
5.	प्रो. प्रेम कुमार शर्मा	सदस्य
6.	प्रो. हरेराम त्रिपाठी	सदस्य
7.	प्रो. केदार प्रसाद परोहा	सदस्य
8.	प्रो. के. भारत भूषण	सदस्य
9.	प्रो. महेश प्रसाद सिलोड़ी	सदस्य
10.	प्रो. सुदीप कुमार जैन	सदस्य
11.	प्रो. के. अनन्ता	सदस्य
12.	प्रो. मारकण्डेनाथ तिवारी	सदस्य
13.	प्रो. रामानुज उपाध्याय	सदस्य
14.	प्रो. शिवशंकर मिश्र	सदस्य
15.	प्रो. सविता	सदस्या
16.	प्रो. मीनू कश्यप	सदस्या
17.	प्रो. कल्पना जैन	सदस्या

सत्यापित
VERIFIED

कुलसचिव / Registrar
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी-4, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

1	आचार्य	14	-	01
2	महाआचार्य	13 ए	-	02
3	सहायक आचार्य	10	02	04
	प्राचीन इतिहास विषय			
1	सहायक आचार्य	10	-	01

नियमानुसार नए पदों को सृजित करने की स्वीकृति हेतु प्रशासन विभाग द्वारा आवश्यक पत्र प्रेषित किया जाए।

संकल्प संख्या २.१० योग विभाग के छात्रों को स्वर्ण पदक प्रदान करने हेतु विभागाध्यक्ष योग विभाग द्वारा प्रस्तुत प्रस्ताव विद्वत्परिषद् के विचारार्थ प्रस्तुत ।

कुलपति महोदय द्वारा विद्वत्परिषद के सदस्यों को अवगत करवाया गया कि विश्वविद्यालय के सामान्यत: सभी पाठ्यक्रमों में सर्वोत्कृष्ट छात्रों को पदक प्रदान कर पुरस्कृत किया जाता है। शैक्षणिक सत्र 2018-19 से विश्वविद्यालय द्वारा बी.ए.योग एवं एम.ए. योग पाठ्यक्रम को संचालित किया जा रहा है, योग विभागाध्यक्ष द्वारा योग पाठ्यक्रम के सर्वोत्तम छात्रों को स्वर्ण पदक प्रदान करने हेतु प्रस्तुत प्रस्ताव पर विचार-विमर्श किया गया। इस संबंध में यह निर्णय भी लिया गया कि प्रो. महेश प्रसाद सिलोड़ी को पदक प्रदान करने के लिए आवश्यक धन राशि उपलब्ध कराने के लिए निर्धारित प्रक्रिया अनुसार एक पत्र प्रेषित किया जाए, जिससे वे प्रायोजक की खोज कर सकें।

संकल्प संख्या २.११ शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार द्वारा जारी राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० में प्रदत्त उद्देश्यों के अनुपालन में पाठ्यक्रमों में संशोधन तथा नवीनीकरण हेतु विद्वत्परिषद् के विचारार्थ ।

विद्वत्परिषद् द्वारा शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में प्रस्तावित भारतीय ज्ञान परम्परा के मूल सिद्धान्तों से छात्रों को अवगत कराने के लिए यह निर्णय लिया गया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में प्रदत्त उद्देश्यों के परिप्रेक्ष्य में अन्त: शास्त्रीय अध्ययन को बढ़ावा देने के लिए श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा संचालित सभी पाठ्यक्रमों की समीक्षा कर उनमें आवश्यक संशोधन/नवीनीकरण किया जाना अपेक्षित है। आचार्य स्तर के पाठ्यक्रम में प्राचीन हिन्दी साहित्य, अंग्रेजी साहित्य, प्राचीन समाजशास्त्र, प्राचीन राजनीतिशास्त्र, प्राचीन इतिहास एवं भारतीय पर्यावरण अध्ययन जैसे विषय भी कम्प्यूटर प्रयोग के साथ-साथ पढ़ाया जाय। एतदर्थ विश्वविद्यालय के अध्यापकों / अतिथि अध्यापकों से अध्यापन कराया जाय इसके अतिरिक्त अन्य आवश्यक संसाधन विकसित किया जाये। इस सम्बन्ध में सभी विभागों द्वारा गठित अपने अपने विभाग के अध्ययन मण्डलों की बैठकें आयोजित कर सम्बन्धित कक्षा के पाठ्यक्रम का परिवर्तन / संशोधन किया जाये, जिससे शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार/विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा निर्धारित प्रारूप से साम्य रखते हुए सभी पाठ्यक्रमों को अद्यतन कर लागू किया जा सके । उसके एक मानक तैयार करने हेतु निम्नलिखित समितियों का गठन किया जाता है:

१. शास्त्री / बी.ए.योग, आचार्य / एम.ए. योग, विद्यावारिधि एवं अंशकालीन पाठ्यक्रम

1. प्रो. भागीरथि नन्द, संकाय प्रमुख, शैक्षणिक - अध्यक्ष
2. प्रो. चाँद किरण सलूजा, गई दिल्ली - सदस्य
3. प्रो. विहारी लाल शर्मा, निदेशक, आन्तरिक गुणवत्ता प्रकोष्ठ - सदस्य

सत्यापित VERIFIED

कुलसचिव / Registrar
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी-4, कुतुब संस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

संकल्प संख्या २.१५(३) संगणक विभाग द्वारा प्रस्तुत प्रस्ताव के अनुसार एक वर्षीय पी.जी. डिप्लोमा संचालित करने हेतु विद्वत्परिषद् के विचारार्थ।

विद्वत्परिषद् के संज्ञान में लाया गया कि विश्वविद्यालय में संगणक विभाग द्वारा अंशकालिक पाठ्यक्रमों के अन्तर्गत निम्नलिखित षाण्मासिक पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं:

1. ऑफिस-ऑटोमेशन 2. संगणक प्रोग्रामिंग 3. वेब-डिजाइनिंग

समय-समय पर छात्रों द्वारा प्रेषित आवेदन पत्रों को संज्ञान में लेते हुए विद्वत्परिषद् द्वारा सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि संगणक विभाग द्वारा षाण्मासिक अंशकालिक पाठ्यक्रम के साथ-साथ एक वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम संचालित किया जाएगा। जिससे संबंधित पाठ्यक्रम प्रवेश आर्हता तथा शुल्क आदि सम्बन्धी नियम संगणक केन्द्र द्वारा कुलपति महोदय की स्वीकृति हेतु प्रस्तुत किए जायँ।

विद्वत्परिषद् द्वारा आचार्य हरिहर त्रिवेदी, पूर्व संकाय प्रमुख, वेद-वेदांग संकाय के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए उनकी आत्मा की चिर शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा गया।

अध्यक्ष महोदय एवं समस्त सदस्यों को धन्यवाद के उपरान्त शान्ति पाठ से विद्वत्परिषद् की द्वितीय बैठक की कार्यवाही सम्पन्न हुई।

(डॉ. अलका राय)
कुलसचिव एवं सचिव

रमेशकुमार पाण्डेय
(प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय)
कुलपति एवं अध्यक्ष

सत्यापित
VERIFIED

कुलसचिव / Registrar
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी-4, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

बी-४ कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-११००१६

न्याय विभागीय अध्ययन मण्डल रिपोर्ट

विषय: विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार Curriculum and Credit Framework for Undergraduate Programmes के अनुसार पाठ्यक्रम तैयार करने हेतु अध्ययन मण्डल की बैठक का कार्यवृत्त।

दिनांक 19.06.2023 को आयोजित विद्यापरिषद् की सातवीं बैठक (7.3) में लिये गये निर्णयों के अनुपालन में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार Curriculum and Credit Framework for Undergraduate Programmes के अनुसार न्यायदर्शन विभाग द्वारा शास्त्री कक्षा (तीन वर्षीय) हेतु तैयार पाठ्यक्रम प्रारूप को स्वीकृत करने हेतु आज दिनांक 4.07.2023 को न्यायदर्शन विभाग के अध्ययन मण्डल का उपवेशन ऑनलाईन/ऑफलाईन माध्यम से आयोजित किया गया, जिसमें निम्नलिखित सदस्य उपस्थित हुए:-

1.	प्रो. महानन्द झा, विभागाध्यक्ष, न्यायदर्शन विभाग	-	अध्यक्ष
2.	प्रो. पीयूषकान्त दीक्षित, न्यायदर्शन विभाग	-	सदस्य
3.	प्रो. बिष्णुपद महापात्र, न्यायदर्शन विभाग	-	सदस्य
4.	डॉ. रामचन्द्र शर्मा, न्यायदर्शन विभाग	-	सदस्य
5.	प्रो. प्रभाकर प्रसाद, सर्वदर्शन विभाग	-	सदस्य
6.	प्रो. सच्चिदानन्द मिश्र, संदस्य सचिव आई.सी.पी.आर.नई दिल्ली	-	बाह्य सदस्य

बैठक में उपस्थित सदस्यों को विभागाध्यक्ष द्वारा अवगत करवाया गया कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा प्रेषित दिशा-निर्देशों के अनुसार राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में प्रदत्त प्रावधानों के अनुपालन में विश्वविद्यालय द्वारा लिये गये निर्णयों के अनुसार प्रथम चरण में शास्त्री (B.A.) हेतु पाठ्यक्रम प्रारूप उक्त समिति द्वारा निर्धारित विवरण के अनुसार न्यायदर्शन विभाग का नवीन पाठ्यक्रम प्रारूप तैयार किया जा चुका है। तथा शैक्षणिक सत्र 2023-24 में पंजीकृत छात्रों पर लागू किया जायेगा।

अध्ययन मण्डल द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा जारी प्रपत्र 12/12/2022 के अनुसार प्रेषित Curriculum and Credit Framework for Undergraduate Programmes हेतु जारी

सत्यापित VERIFIED

04/07/23

सहायक कुलसचिव (शैक्षणिक)
Assistant Registrar (Academic)
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी-४, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

कुलसचिव / Registrar
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी-4, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

दिशा-निर्देशों को संज्ञान में लेते हुए न्यायदर्शन (नव्यन्याय एवं प्राचीन न्याय वैशेषिक) विषय के पाठ्यक्रम को तैयार करने हेतु निम्नलिखित संस्तुतियाँ पारित की गई:-

1. मूल शास्त्री विषय के कुल 20 प्रश्न पत्र होंगे (तीन वर्ष के अवधि हेतु 15 प्रश्न तथा चार वर्ष के अवधि हेतु 20 प्रश्न पत्र) प्रत्येक प्रश्न पत्र 4 क्रेडिट का होगा। कुल क्रेडिट 60/80 होंगे।
2. विषयान्तर्गत (Minor Stream) मूल विषय के साथ-साथ छात्र को अन्य पाठ्यक्रम जो विषय के सहायक/उन्नत/विशिष्ट या अति विशिष्ट के रूप में है। उसके अन्तर्गत न्यायदर्शन विभाग द्वारा कुल 08 प्रश्न पत्रों का अध्ययन-अध्यापन करवाया जायेगा। (24/32 क्रेडिट, प्रत्येक प्रश्न पत्र 04 क्रेडिट का होगा।)
3. ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप (02/04 क्रेडिट का होगा।)
4. अनुसंधान परियोजना / शोध प्रबंध (0/12 क्रेडिट का होगा।)
5. **अध्ययन मण्डल द्वारा** छात्रों/स्टेकहोल्डरों से प्राप्त फीडबैक तथा नियमों को संज्ञान में लेते हुए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में प्रदत्त प्रावधानों के अनुपालन में पूर्व में निर्धारित पाठ्यक्रम में 35 प्रतिशत संशोधन कर नवीन पाठ्यक्रम को तैयार कर लागू करने की अनुशंसा की गई।
6. अध्ययन मण्डल द्वारा यह अनुशंसा भी की गई कि यदि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा पाठ्यक्रम में संशोधन हेतु किसी प्रकार के दिशा-निर्देश जारी किये जाते हैं तो संबंधित नियमों के अनुपालन में विभाग द्वारा तैयार पाठ्यक्रम में वांछित संशोधन किया जायेगा तथा संशोधित पाठ्यक्रम यथावत् लागू माना जायेगा।

संलग्नक: पाठ्यक्रम

(सच्चिदानन्द मिश्र) (… षक… दीक्षित) (विष्णुपद महापात्र)

(रामचन्द्र शर्मा) (प्रभाकर प्रसाद) 17/7/23 (महानन्द झा)

सत्यापित VERIFIED

कुलसचिव / Registrar
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी-4, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

सहायक कुलसचिव (शैक्षणिक)
Assistant Registrar (Academic)
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी-४, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

बी-४ कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली- ११००१६

विषयः विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा जारी दिशा निर्देशों के अनुसार Curriculum and Credit Framework for Undergraduate Programmes के अनुसार पाठ्यक्रम तैयार करने हेतु अध्ययन मण्डल की बैठक का कार्यवृत्त ।

दिनांक 19.06.2023 को आयोजित विद्यापरिषद् की सातवी बैठक (7.3) में लिये गये निर्णयों के अनुपालन में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार Curriculum and Credit Framework for Undergraduate Programmes के अनुसार सांख्ययोग विभाग द्वारा शास्त्री कक्षा (तीन/चार वर्षीय) हेतु तैयार पाठ्यक्रम प्रारूप को स्वीकृत करने हेतु कार्यालय सूचना आज दिनांक 14.07.2023 को सांख्ययोग विभाग के अध्ययन मण्डल की बैठक ऑफलाईन माध्यम से आयोजित की गई, जिसमें निम्नलिखित सदस्य उपस्थित हुए:-

1. प्रो. मार्कण्डेय नाथ तिवारी (विभागाध्यक्ष, सांख्ययोग विभाग) अध्यक्ष
2. प्रो. महेश प्रसाद सिलोड़ी, सांख्ययोग विभाग सदस्य
3. प्रो.ए. एस.आरावमुदन, (विभागाध्यक्ष, मीमांसादर्शन विभाग) सदस्य
4. प्रो. हरि प्रसाद अधिकारी,सम्पूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी बाह्य सदस्य

बैठक में विभागाध्यक्ष द्वारा समिति के सदस्यों को अवगत करवाया गया कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा प्रेषित दिशा-निर्देशों के अनुसार राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में प्रदत्त प्रावधानों के अनुपालन में विश्वविद्यालय द्वारा लिये गये निर्णयों के अनुसार प्रथम चरण में शास्त्री (B.A.) हेतु पाठ्यक्रम प्रारूप समिति द्वारा निर्धारित विवरण के अनुसार सभी सांख्ययोग दर्शन विषय का नवीन पाठ्यक्रम प्रारूप तैयार किया जा चुका है। तथा शैक्षणिक सत्र 2023-24 में पंजीकृत छात्रों पर लागू किया जायेगा।

अध्ययन मण्डल द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा जारी पत्र 12/12/2022 के अनुसार प्रेषित Curriculum and Credit Framework for Undergraduate Programmes हेतु जारी दिशा-निर्देशों को संज्ञान में लेते हुए सांख्ययोग दर्शन विषय के पाठ्यक्रम को तैयार करने हेतु निम्नलिखित संस्तुतियाँ पारित की गई:-

1. मूल शास्त्री विषय के कुल 20 प्रश्न पत्र होंगे (तीन वर्ष के अवधि हेतु 15 प्रश्न तथा चार वर्ष के अवधि हेतु 20 प्रश्न पत्र) प्रत्येक प्रश्न पत्र 4 क्रेडिट का होगा। कुल क्रेडिट 60/80 होंगे।

सहायक कुलसचिव (शैक्षणिक)
Assistant Registrar (Academic)
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी–४, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

2. विषयान्तर्गत (Minor Stream) मूल विषय के साथ-साथ छात्र को अन्य पाठ्यक्रम जो विषय के सहायक/ उन्नत/ विशिष्ट या अति विशिष्ट के रूप में है। उसके अन्तर्गत सांख्ययोग विभाग द्वारा कुल 08 प्रश्न पत्रों का अध्ययन अध्यापन करवाया जायेगा। (24/32 क्रेडिट, प्रत्येक प्रश्न पत्र 04 क्रेडिट का होगा।)

3. बहुविषयान्तर्गत (Multi-Disciplinary) 3 प्रश्न पत्रों (प्रत्येक पत्र में 3 क्रेडिट) का अध्ययन अध्यापन करवाने के लिए समिति द्वारा अनुशंसा की गई कुल 24/31 (15/20+6/8+3) प्रश्न पत्रों का अध्ययन अध्यापन करवाने के लिए समिति द्वारा अनुशंसा की गई।

4. समर इंटर्नशिप (02/04 क्रेडिट का होगा।)

5. अनुसंधान परियोजना / शोध प्रबंध (0/12 क्रेडिट का होगा।)

6. अध्ययन मण्डल द्वारा छात्रों/स्टेकहोल्डरों से प्राप्त फीडबैक तथा नियमों को संज्ञान में लेते हुए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में प्रदत्त प्रावधानों के अनुपालन में पूर्व में निर्धारित पाठ्यक्रम में 20 प्रतिशत संशोधन कर नवीन पाठ्यक्रम को तैयार कर लागू करने की अनुशंसा की गई।

7. अध्ययन मण्डल द्वारा यह अनुशंसा भी की गई की यदि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा पाठ्यक्रम में संशोधन हेतु किसी प्रकार के दिशा-निर्देश जारी किये जाते हैं तो संबंधित नियमों के अनुपालन में विभाग द्वारा तैयार पाठ्यक्रम में वांछित संशोधन किया जायेगा तथा संशोधित पाठ्यक्रम यथावत् लागू माना जायेगा।

संलग्नकः पाठ्यक्रम

14-07-2023
(प्रो. मार्कण्डेय नाथ तिवारी)

(प्रो. महेश प्रसाद सिलोड़ी)

14/7
(. प्रो.ए. एस. आरावमुदन)

14/7/2023
(प्रो. हरि प्रसाद अधिकारी)

सहायक कुलसचिव (शैक्षणिक)
Assistant Registrar (Academic)
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी-४, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
बी-4 कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016

सर्वदर्शन विभाग

दिनांक 12.07.2023

विषय : विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार **Curriculum and Credit Framework for Undergraduate Programmes** के अनुसार पाठ्यक्रम तैयार करने हेतु अध्ययन मण्डल की बैठक का कार्यवृत्त।

दिनांक 19.06.2023 को आयोजित विद्यापरिषद् की सातवीं बैठक (7.3) में लिये गये निर्णयों के अनुपालन में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार Curriculum and Credit Framework for Undergraduate Programmes के अनुसार शास्त्री कक्षा (तीन/चार वर्षीय) हेतु तैयार पाठ्यक्रम प्रारूप को स्वीकृत कराने हेतु आज दिनांक 12.07.2023 को सर्वदर्शन विभाग के अध्ययन मण्डल की बैठक ऑनलाईन/ऑफलाईन माध्यम से आयोजित की गई, जिसमें निम्नलिखित सदस्य उपस्थित हुए -

1. प्रो.प्रभाकर प्रसाद, अध्यक्ष, सर्वदर्शन विभाग - अध्यक्ष
2. प्रो.संगीता खन्ना, वरिष्ठाचार्य, सर्वदर्शन विभाग - सदस्य
3. प्रो.जवाहरलाल, आचार्य, सर्वदर्शन विभाग - सदस्य
4. डॉ.विजय गुप्ता, सहायकाचार्य, सर्वदर्शन विभाग - सदस्य
5. प्रो.पीयूषकान्त दीक्षित, वरिष्ठाचार्य, न्यायवैशेषिक विभाग - विभागेतर आन्तरिकसदस्य
6. प्रो.सन्तोष कुमार शुक्ला, आचार्य, संस्कृत एवं प्राच्यविद्या अध्ययन संस्थान, जे.एन.यू., नई दिल्ली - बाह्य सदस्य
7. प्रो.कृष्णकान्त शर्मा, सेवानिवृत्त आचार्य, का.हि.वि.वि. - बाह्य सदस्य

(ऑनलाईन)

सहायक कुलसचिव (शैक्षणिक)
Assistant Registrar (Academic)
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी-४, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110013
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

बैठक में विभागाध्यक्ष द्वारा समिति के सदस्यों को अवगत कराया गया कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा प्रेषित दिशा-निर्देशों के अनुसार राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में प्रदत्त प्रावधानों के अनुपालन में शास्त्री (B.A.) का पाठ्यक्रम तैयार किया जाना है। विश्वविद्यालय द्वारा लिये गये निर्णय के अनुसार प्रथम चरण में शास्त्री (B.A.) हेतु पाठ्यक्रम प्रारूप समिति द्वारा निर्धारित विवरण के अनुसार सर्वदर्शन विभाग द्वारा नवीन पाठ्यक्रम तैयार किया जाना है, जो शैक्षणिक सत्र 2023-24 में पंजीकृत छात्रों के लिए लागू किया जायेगा।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा जारी प्रपत्र (12/12/2022) में निर्दिष्ट दिशा-निर्देशों को संज्ञान में लेते हुए विश्वविद्यालयीय पाठ्यक्रम प्रारूप समिति द्वारा पाठ्यक्रम को तैयार करने हेतु निम्नलिखित संस्तुतियां पारित की गई हैं -

1. मूल शास्त्री विषय (**Major Core**) के कुल 20 (तीन वर्ष की अवधि हेतु 15 तथा चार वर्ष की अवधि हेतु 20) प्रश्नपत्र होंगे । प्रत्येक प्रश्नपत्र 4 क्रेडिट का होगा (कुल क्रेडिट 60/80 निर्धारित)
2. विषयान्तर्गत (**Minor Stream**) मूल विषय के साथ-साथ छात्र को अन्य पाठ्यक्रम, जो विषय के सहायक/उन्नत/विशिष्ट या अतिविशिष्ट के रूप में हैं, उसके अन्तर्गत सर्वदर्शन विभाग द्वारा कुल 06/08 (तीन वर्ष की अवधि हेतु 06 तथा चार वर्ष की अवधि हेतु 08) प्रश्नपत्रों का अध्ययन-अध्यापन करवाया जायेगा । (कुल क्रेडिट 24/32 निर्धारित)
3. समर इंटर्नशिप 02/04 क्रेडिट का होगा ।
4. चतुर्थ वर्ष में लघुशोध परियोजना 12 क्रेडिट का होगा।
5. अध्ययन मण्डल द्वारा यह भी अनुशंसा की गई कि यदि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा भविष्य में पाठ्यक्रम में संशोधन हेतु किसी प्रकार के दिशा-निर्देश जारी किये जाते हैं, तो संबंधित नियमों के अनुपालन में विभाग द्वारा तैयार पाठ्यक्रम में वांछित संशोधन किया जायेगा तथा संशोधित पाठ्यक्रम यथावत् लागू माना जायेगा ।

इस प्रकार विश्वविद्यालयीय पाठ्यक्रम प्रारूप समिति द्वारा निर्दिष्ट नियमों को संज्ञान में लेते हुए सर्वदर्शन विभागीय अध्ययन मण्डल द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में प्रदत्त प्रावधानों के अनुपालन में पूर्व में निर्धारित पाठ्यक्रम में 20-30 प्रतिशत संशोधन कर नवीन पाठ्यक्रम को तैयार कर लागू करने की अनुशंसा की गई।

सहायक कुलसचिव (शैक्षणिक)
Assistant Registrar (Academic)
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी-४, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

संलग्नक - नवीन पाठ्यक्रम

अध्ययन मण्डल में उपस्थित सदस्य-

प्रभाकर प्रसाद 12/7/23
(प्रो.प्रभाकर प्रसाद)

Online द्वारा
(प्रो.कृष्णकान्त शर्मा)

सन्तोष कुमार शुक्ल
(प्रो.सन्तोष कुमार शुक्ला)

12.07.23
(प्रो.पीयूषकान्त दीक्षित)

19.07.2023
(प्रो.संगीता खन्ना)

12/7/23
(प्रो.जवाहरलाल)

(डॉ.विजय गुप्ता)

सहायक कुलसचिव (शैक्षणिक)
Assistant Registrar (Academic)
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी–४, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

श्रीलालबहादुरशास्त्रीराष्ट्रियसंस्कृतविश्वविद्यालयः

कुतुबसांस्थानिकक्षेत्रम्, नवदेहली-16

राष्ट्रियशिक्षानीतिः 2020 इत्यनुसारेण निर्मितः

पाठ्यक्रमः (2023-024)

सर्वदर्शनविभागः

(Subject Code : 13)

(दर्शनशास्त्रपीठम्)

पीठप्रमुखः

प्रो.ए.एस्.आरावमुदन् - दर्शनशास्त्रपीठप्रमुखः

विभागीयाचार्याः

1. प्रो.प्रभाकरप्रसादः - आचार्यो विभागाध्यक्षश्च
2. प्रो.संगीता खन्ना - वरिष्ठाचार्यः
3. प्रो.जवाहरलालः - आचार्यः
4. डॉ.विजयगुप्ता - सहायकाचार्यः

सहायक कुलसचिव (शैक्षणिक)
Assistant Registrar (Academic)
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी–४, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

सर्वदर्शनविभागीयाध्ययनमण्डलः

आन्तरिकविद्वान्सः

1. प्रो.प्रभाकरप्रसादः (अध्यक्षः, सर्वदर्शनविभागः) - अध्यक्षः
2. प्रो.संगीता खन्ना (वरिष्ठाचार्यः, सर्वदर्शनविभागः)- सदस्यः
3. प्रो.जवाहरलालः (आचार्यः, सर्वदर्शनविभागः) - सदस्यः
4. डॉ.विजयगुप्ता (सहायकाचार्यः, सर्वदर्शनविभागः)- सदस्यः

विभागेतर-आन्तरिकविद्वान्

1. प्रो.पीयूषकान्तदीक्षितः - सदस्यः

(आचार्यः, न्यायवैशेषिकविभागः)

(पूर्वकुलपतिः, उत्तराखण्डसंस्कृतविश्वविद्यालयः, हरिद्वारम्)

बाह्यविद्वान्

1. प्रो.सन्तोषकुमारशुक्लः - सदस्यः

(अध्यक्षचरः, संस्कृत एवं प्राच्यविद्याध्ययनसंस्थानम्,
जवाहरलालनेहरूविश्वविद्यालयः, नवदेहली-67)

2. प्रो.कृष्णकान्तशर्मा - सदस्यः

(सेवानिवृत्तः, आचार्यः, वैदिकदर्शनविभागः,
सङ्कायप्रमुखचरः, संस्कृतविद्याधर्मविज्ञानसङ्कायः,
काशीहिन्दूविश्वविद्यालयः, वाराणसी)

सहायक कुलसचिव (शैक्षणिक)
Assistant Registrar (Academic)
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी–४, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

बी-४ कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-११००१६

विषय: विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार **Curriculum and Credit Framework for Undergraduate Programmes** के अनुसार पाठ्यक्रम तैयार करने हेतु **अध्ययन मण्डल की बैठक का कार्यवृत्त।**

दिनांक 19.06.2023 को आयोजित विद्यापरिषद् की सातवीं बैठक (7.3) में लिये गये निर्णयों के अनुपालन में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार Curriculum and Credit Framework for Undergraduate Programmes के अनुसार मीमांसादर्शन विभाग द्वारा शास्त्री कक्षा (तीन/चार वर्षीय) हेतु तैयार पाठ्यक्रम प्रारूप की स्वीकृति हेतु कार्यालय सूचना के अनुसार आज दिनांक 13.07.2023 को मीमांसादर्शन विभाग के अध्ययन मण्डल की बैठक में आन्तरिक सदस्य आफलाइन तथा वाह्य सदस्य आनलाइन माध्यम से उपस्थित हुए। जिसमें निम्नलिखित सदस्य उपस्थित हुए:-

1.	प्रो. ए. एस्. आरावमुदन्, विभागाध्यक्ष, मीमांसादर्शन विभाग	-	अध्यक्ष
2.	प्रो. जवाहर लाल, सर्वदर्शन विभाग	-	सदस्य
3.	श्री राजेश कुमार गुर्जर, मीमांसादर्शन विभाग	-	सदस्य
4.	प्रो. माधव जनार्दन रटाटे, बी.एच्.यू., वाराणसी	-	बाह्य सदस्य
5.	डा. टी.एस्.आर्. नारायण, एन्.एस्.यू., तिरुपति	-	बाह्य सदस्य

बैठक में विभागाध्यक्ष द्वारा समिति के सदस्यों को अवगत करवाया गया कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा प्रेषित दिशा-निर्देशों के अनुसार राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में प्रदत्त प्रावधानों के अनुपालन में विश्वविद्यालय द्वारा लिये गये निर्णयों के अनुसार प्रथम चरण में शास्त्री (B.A.) हेतु पाठ्यक्रम प्रारूप समिति द्वारा निर्धारित विवरण के अनुसार मीमांसा दर्शन विषय का नवीन पाठ्यक्रम प्रारूप तैयार किया जा चुका है। तथा शैक्षणिक सत्र 2023-24 में पंजीकृत छात्रों पर लागू किया जायेगा।

अध्ययन मण्डल द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा जारी प्रपत्र 12/12/2022 के अनुसार प्रेषित Curriculum and Credit Framework for Undergraduate Programmes हेतु जारी दिशा-निर्देशों को संज्ञान में लेते हुए मीमांसा दर्शन विषय के पाठ्यक्रम को तैयार करने हेतु निम्नलिखित संस्तुतियाँ पारित की गई:-

सहायक कुलसचिव (शैक्षणिक)
Assistant Registrar (Academic)
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी-४, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

1. मूल शास्त्री विषय के कुल 20 प्रश्न पत्र होंगे (तीन वर्ष की अवधि हेतु 15 प्रश्न तथा चार वर्ष की अवधि हेतु 20 प्रश्न पत्र) प्रत्येक प्रश्न पत्र 4 क्रेडिट का होगा। कुल क्रेडिट 60/80 होंगे।
2. विषयान्तर्गत (Minor Stream) मूल विषय के साथ-साथ छात्र को अन्य पाठ्यक्रम जो विषय के सहायक/उन्नत/विशिष्ट या अति विशिष्ट के रूप में है। उसके अन्तर्गत मीमांसा दर्शन विभाग द्वारा कुल 08 प्रश्न पत्रों का अध्ययन-अध्यापन करवाया जायेगा। (24/32 क्रेडिट, प्रत्येक प्रश्न पत्र 04 क्रेडिट का होगा।)
3- बहुविषयान्तर्गत (Multi-Disciplinary) 4 प्रश्न पत्रों का अध्ययन अध्यापन करवाने के लिए समिति द्वारा अनुशंसा की गई। कुल 32 प्रश्न पत्र का अध्ययन अध्यापन करवाने के लिए समिति द्वारा अनुशंसा की गई।
4. समर इंटर्नशिप (02/04 क्रेडिट का होगा।)
5. अनुसंधान परियोजना / शोध प्रबंध (0/12 क्रेडिट का होगा।)
6. अध्ययन मण्डल द्वारा छात्रों/स्टेकहोल्डरों से प्राप्त फीडबैक तथा नियमों को संज्ञान में लेते हुए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में प्रदत्त प्रावधानों के अनुपालन में पूर्व में निर्धारित पाठ्यक्रम में 20 प्रतिशत संशोधन कर नवीन पाठ्यक्रम को तैयार कर लागू करने की अनुशंसा की गई।
7. अध्ययन मण्डल द्वारा यह अनुशंसा भी की गई की यदि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा पाठ्यक्रम में संशोधन हेतु किसी प्रकार के दिशा-निर्देश जारी किये जाते हैं तो संबंधित नियमों के अनुपालन में विभाग द्वारा तैयार पाठ्यक्रम में वांछित संशोधन किया जायेगा तथा संशोधित पाठ्यक्रम यथावत् लागू माना जायेगा।

संलग्नक: पाठ्यक्रम

(प्रो. ए.एस. आरावमुदन) (प्रो. जवाहर लाल) (श्री राजेश कुमार गुर्जर)

(प्रो. माधव जनार्दन रटाटे) (प्रो. टी.एस.आर. नारायण)

सहायक कुलसचिव (शैक्षणिक)
Assistant Registrar (Academic)
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी-४, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

1. मूल शास्त्री विषय के कुल 20 प्रश्न पत्र होंगे (तीन वर्ष के अवधि हेतु 15 प्रश्न तथा चार वर्ष के अवधि हेतु 20 प्रश्न पत्र) प्रत्येक प्रश्न पत्र 4 क्रेडिट का होगा। कुल क्रेडिट 60/80 होंगे।
2. विषयान्तर्गत (Minor Stream) मूल विषय के साथ-साथ छात्र को अन्य पाठ्यक्रम जो विषय के सहायक/उन्नत/विशिष्ट या अति विशिष्ट के रूप में है। उसके अन्तर्गत मीमांसा दर्शन विभाग द्वारा कुल 08 प्रश्न पत्रों का अध्ययन-अध्यापन करवाया जायेगा। (24/32 क्रेडिट, प्रत्येक प्रश्न पत्र 04 क्रेडिट का होगा।)

3- बहुविषयान्तर्गत **(Multi-Disciplinary) 3** प्रश्न पत्रों (प्रत्येक पत्र में **3** क्रेडिट) का अध्ययन अध्यापन करवाने के लिए समिति द्वारा अनुशंसा की गई। कुल **24/31 (15/20+6/8+3)** प्रश्न पत्रों का अध्ययन अध्यापन करवाने के लिए समिति द्वारा अनुशंसा की गई।

4. समर इंटर्नशिप (02/04 क्रेडिट का होगा।)
5. अनुसंधान परियोजना / शोध प्रबंध (0/12 क्रेडिट का होगा।)
6. अध्ययन मण्डल द्वारा छात्रों/स्टेकहोल्डरों से प्राप्त फीडबैक तथा नियमों को संज्ञान में लेते हुए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में प्रदत्त प्रावधानों के अनुपालन में पूर्व में निर्धारित पाठ्यक्रम में 20 प्रतिशत संशोधन कर नवीन पाठ्यक्रम को तैयार कर लागू करने की अनुशंसा की गई।
7. अध्ययन मण्डल द्वारा यह अनुशंसा भी की गई की यदि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा पाठ्यक्रम में संशोधन हेतु किसी प्रकार के दिशा-निर्देश जारी किये जाते हैं तो संबंधित नियमों के अनुपालन में विभाग द्वारा तैयार पाठ्यक्रम में वांछित संशोधन किया जायेगा तथा संशोधित पाठ्यक्रम यथावत् लागू माना जायेगा।

संलग्नक: पाठ्यक्रम

13/7

(प्रो. ए.एस. आरावमुदन्) (प्रो. जवाहर लाल) (श्री राजेश कुमार गुर्जर)

माधव जनार्दन रटाटे
13.7.23

(प्रो. माधव जनार्दन रटाटे) (प्रो. टी.एस.आर. नारायण)

सहायक कुलसचिव (शैक्षणिक)
Assistant Registrar (Academic)
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी-४, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
बी-४ कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-११००१६

विशिष्टाद्वैत वेदान्त विभागीय अध्ययन मण्डल रिपोर्ट

विषय: विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार Curriculum and Credit Framework for Undergraduate Programmes के अनुसार पाठ्यक्रम तैयार करने हेतु अध्ययन मण्डल की बैठक का कार्यवृत्त।

दिनांक 19.06.2023 को आयोजित विद्यापरिषद् की सातवीं बैठक (7.3) में लिये गये निर्णयों के अनुपालन में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार Curriculum and Credit Framework for Undergraduate Programmes के अनुसार विशिष्टाद्वैत वेदान्त विभाग द्वारा शास्त्री कक्षा (तीन वर्षीय) हेतु तैयार पाठ्यक्रम प्रारूप को स्वीकृत करने हेतु आज दिनांक 14.07.2023 को विशिष्टाद्वैतवेदान्त विभाग के अध्ययन मण्डल का उपवेशन ऑनलाईन/ऑफलाईन माध्यम से आयोजित किया गया, जिसमें निम्नलिखित सदस्य उपस्थित हुए:-

1.	डॉ. सुदर्शनन् एस., विभागाध्यक्ष, विशिष्टाद्वैत वेदान्त विभाग	- अध्यक्ष एवं संयोजक
2.	प्रो. संगीता खन्ना, विभागाध्यक्ष, अद्वैतवेदान्त विभाग	- सदस्य
3.	प्रो. एम.एम. अग्रवाल, पूर्वसंकाय प्रमुख दि.वि.वि.	- बाह्य सदस्य
4.	डॉ. महेश शर्मा, जे.आर.आर., सं.वि.वि., जयपुर	- बाह्य सदस्य

बैठक में उपस्थित सदस्यों को विभागाध्यक्ष द्वारा अवगत करवाया गया कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा प्रेषित दिशा-निर्देशों के अनुसार राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में प्रदत्त प्रावधानों के अनुपालन में विश्वविद्यालय द्वारा लिये गये निर्णयों के अनुसार प्रथम चरण में शास्त्री (B.A.) हेतु पाठ्यक्रम प्रारूप उक्त समिति द्वारा निर्धारित विवरण के अनुसार विशिष्टाद्वैतवेदान्त विभाग का नवीन पाठ्यक्रम प्रारूप तैयार किया जा चुका है। तथा शैक्षणिक सत्र 2023-24 में पंजीकृत छात्रों पर लागू किया जायेगा।

अध्ययन मण्डल द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा जारी प्रपत्र 12/12/2022 के अनुसार प्रेषित Curriculum and Credit Framework for Undergraduate Programmes हेतु जारी दिशा-निर्देशों को संज्ञान में लेते हुए विशिष्टाद्वैतवेदान्त विषय के पाठ्यक्रम को तैयार करने हेतु निम्नलिखित संस्तुतियाँ पारित की गईं:-

सहायक कुलसचिव (शैक्षणिक)
Assistant Registrar (Academic)
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी-४, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

1. मूल शास्त्री विषय के कुल 20 प्रश्न पत्र होंगे (तीन वर्ष के अवधि हेतु 15 प्रश्न तथा चार वर्ष के अवधि हेतु 20 प्रश्न पत्र) प्रत्येक प्रश्न पत्र 4 क्रेडिट का होगा। कुल क्रेडिट 60/80 होंगे।
2. विषयान्तर्गत (Minor Stream) मूल विषय के साथ-साथ छात्र को अन्य पाठ्यक्रम जो विषय के सहायक/उन्नत/विशिष्ट या अति विशिष्ट के रूप में है। उसके अन्तर्गत विशिष्टाद्वैतवेदान्त विभाग द्वारा कुल 08 प्रश्न पत्रों का अध्ययन-अध्यापन करवाया जायेगा। (24/32 क्रेडिट, प्रत्येक प्रश्न पत्र 04 क्रेडिट का होगा।)
3. ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप (02/04 क्रेडिट का होगा।)
4. अनुसंधान परियोजना / शोध प्रबंध (0/12 क्रेडिट का होगा।)
5. अध्ययन मण्डल द्वारा छात्रों/स्टेकहोल्डरों से प्राप्त फीडबैक तथा नियमों को संज्ञान में लेते हुए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में प्रदत्त प्रावधानों के अनुपालन में पूर्व में निर्धारित पाठ्यक्रम में 35 प्रतिशत संशोधन कर नवीन पाठ्यक्रम को तैयार कर लागू करने की अनुशंसा की गई।
6. अध्ययन मण्डल द्वारा यह अनुशंसा भी की गई की यदि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा पाठ्यक्रम में संशोधन हेतु किसी प्रकार के दिशा-निर्देश जारी किये जाते हैं तो संबंधित नियमों के अनुपालन में विभाग द्वारा तैयार पाठ्यक्रम में वांछित संशोधन किया जायेगा तथा संशोधित पाठ्यक्रम यथावत् लागू माना जायेगा।

संलग्नक: पाठ्यक्रम

14.07.2023

(एम.एम. अग्रवाल)
बाह्य सदस्य Online

(महेश शर्मा) Online

(संगीता खन्ना)

14/7/23
(सुदर्शनन् एस.)

सहायक कुलसचिव (शैक्षणिक)
Assistant Registrar (Academic)
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी-४, कुतुब संस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
बी-४ कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-११००१६

विशिष्टाद्वैत वेदान्त विभागीय अध्ययन मण्डल रिपोर्ट

विषय: विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार Curriculum and Credit Framework for Undergraduate Programmes के अनुसार पाठ्यक्रम तैयार करने हेतु अध्ययन मण्डल की बैठक का कार्यवृत्त।

दिनांक 19.06.2023 को आयोजित विद्यापरिषद् की सातवीं बैठक (7.3) में लिये गये निर्णयों के अनुपालन में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार Curriculum and Credit Framework for Undergraduate Programmes के अनुसार विशिष्टाद्वैत वेदान्त विभाग द्वारा शास्त्री कक्षा (तीन वर्षीय) हेतु तैयार पाठ्यक्रम प्रारूप को स्वीकृत करने हेतु आज दिनांक 14.07.2023 को विशिष्टाद्वैतवेदान्त विभाग के अध्ययन मण्डल का उपवेशन ऑनलाईन/ऑफलाईन माध्यम से आयोजित किया गया, जिसमें निम्नलिखित सदस्य उपस्थित हुए:-

1.	डॉ. सुदर्शनन् एस., विभागाध्यक्ष, विशिष्टाद्वैत वेदान्त विभाग	- अध्यक्ष एवं संयोजक
2.	प्रो. संगीता खन्ना, विभागाध्यक्ष, अद्वैतवेदान्त विभाग	- सदस्य
3.	प्रो. एस.एम. अग्रवाल, पूर्वसंकाय प्रमुख दि.वि.वि.	- बाह्य सदस्य
4.	डॉ. महेश शर्मा, जे.आर.आर., सं.वि.वि., जयपुर	- बाह्य सदस्य

बैठक में उपस्थित सदस्यों को विभागाध्यक्ष द्वारा अवगत करवाया गया कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा प्रेषित दिशा-निर्देशों के अनुसार राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में प्रदत्त प्रावधानों के अनुपालन में विश्वविद्यालय द्वारा लिये गये निर्णयों के अनुसार प्रथम चरण में शास्त्री (B.A.) हेतु पाठ्यक्रम प्रारूप उक्त समिति द्वारा निर्धारित विवरण के अनुसार **विशिष्टाद्वैतवेदान्त विभाग का नवीन पाठ्यक्रम प्रारूप तैयार किया जा चुका है। तथा शैक्षणिक सत्र 2023-24 में पंजीकृत छात्रों पर लागू किया जायेगा।**

अध्ययन मण्डल द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा जारी प्रपत्र 12/12/2022 के अनुसार प्रेषित Curriculum and Credit Framework for Undergraduate Programmes हेतु जारी दिशा-निर्देशों को संज्ञान में लेते हुए विशिष्टाद्वैतवेदान्त विषय के पाठ्यक्रम को तैयार करने हेतु निम्नलिखित संस्तुतियाँ प्राप्त की गई:-

सहायक कुलसचिव (शैक्षणिक)
Assistant Registrar (Academic)
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी-४, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

1. मूल शास्त्री विषय के कुल 20 प्रश्न पत्र होंगे (तीन वर्ष के अवधि हेतु 15 प्रश्न तथा चार वर्ष के अवधि हेतु 20 प्रश्न पत्र) प्रत्येक प्रश्न पत्र 4 क्रेडिट का होगा। कुल क्रेडिट 60/80 होंगे।
2. विषयान्तर्गत (Minor Stream) मूल विषय के साथ-साथ छात्र को अन्य पाठ्यक्रम जो विषय के सहायक/उन्नत/विशिष्ट या अति विशिष्ट के रूप में है। उसके अन्तर्गत विशिष्टाद्वैतवेदान्त विभाग द्वारा कुल 08 प्रश्न पत्रों का अध्ययन-अध्यापन करवाया जायेगा। (24/32 क्रेडिट, प्रत्येक प्रश्न पत्र 04 क्रेडिट का होगा।)
3. ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप (02/04 क्रेडिट का होगा।)
4. अनुसंधान परियोजना / शोध प्रबंध (0/12 क्रेडिट का होगा।)
5. अध्ययन मण्डल द्वारा छात्रों/स्टेकहोल्डरों से प्राप्त फीडबैक तथा नियमों को संज्ञान में लेते हुए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में प्रदत्त प्रावधानों के अनुपालन में पूर्व में निर्धारित पाठ्यक्रम में 35 प्रतिशत संशोधन कर नवीन पाठ्यक्रम को तैयार कर लागू करने की अनुशंसा की गई।
6. अध्ययन मण्डल द्वारा यह अनुशंसा भी की गई की यदि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा पाठ्यक्रम में संशोधन हेतु किसी प्रकार के दिशा-निर्देश जारी किये जाते हैं तो संबंधित नियमों के अनुपालन में विभाग द्वारा तैयार पाठ्यक्रम में वांछित संशोधन किया जायेगा तथा संशोधित पाठ्यक्रम यथावत् लागू माना जायेगा।

संलग्नक: पाठ्यक्रम

14/07/2023
(महेश शर्मा)

14.07.2023
(संगीता खन्ना)

(एम.एम. अग्रवाल)
बाह्य सदस्य

14/7/23
(सुदर्शनन् एस.)

सहायक कुलसचिव (शैक्षणिक)
Assistant Registrar (Academic)
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी-4, कुतुब संस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

दिनांक - 17/07/2023

सेवामें,

श्रीमान् कुलपति महोदय!

श्री लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

नई दिल्ली-110016

विषय:-- विभागीय अध्ययन-मंडल की दिनांक 14 जुलाई 2023 को सम्पन्न बैठक का कार्यवृत्त।

माननीय महोदय!

विश्वविद्यालय द्वारा जारी कार्यालयी-सूचना क्रमांक : एफ-3(73)/ला.ब.शा.रा./2022-23/70,दिनांकित 13.07.2023 के अनुसार प्राकृतभाषा विभाग के अध्ययन मंडल की विशेष बैठक दिनांक 14/07/2023 को प्रातःकाल 11.00 बजे आयोजित की गयी। इसमें नयी शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप शास्त्री पाठ्यक्रम का संशोधित एवं परिवर्धित-प्रारूप सर्वसम्मति से स्वीकृत कर अनुमोदित किया गया है। तदनुसार इसकी संशोधित प्रति समिति के सदस्यों के हस्ताक्षर-सहित आपकी सेवामें प्रेषित है। फ्लैप लगे MD 1-2-3 के पृष्ठों के बारे में अनुभाग द्वारा विचार अपेक्षित है। अभी प्रारूप के अनुसार प्रेषित हैं।

इस उपवेशन में सभी स्थानीय सदस्य ऑफलाइन माध्यम से उपस्थित रहे एवं बाह्य-विशेषज्ञ ऑनलाइन माध्यम से उपस्थित हुये। उनके सुझाव लिखितरूप में वॉट्सएप द्वारा प्राप्त हुये हैं, जिनका प्रिंटआउट संलग्न है।

कृपया इन्हें स्वीकार करें।

सादर,

भवदीय

(सुदीप कुमार जैन)

अध्यक्ष, प्राकृतभाषा विभाग

श्री लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,

नई दिल्ली-110016

सहायक कुलसचिव (शैक्षणिक)
Assistant Registrar (Academic)
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी–४, कुतुब संस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

विभागीय पंजिका के पृष्ठ की छायाप्रति

Page No.

विभागीय शोध-मण्डल की बैठक

आज दिनांक 14/7/2023 को पूर्वाह्न 11.00 बजे विभागाध्यक्ष कक्ष में पाठ्यक्रम निर्माण के लिए विभागीय शोध मण्डल की बैठक आयोजित की गई। जिसमें निम्नलिखित सदस्य उपस्थित रहे —

~~नाम~~ नाम

प्रो. सन्दीप कुमार जैन (विभागाध्यक्ष) — [signature] 14.7.23
प्रो. कल्पना जैन (आचार्य) — [signature] 14/7/23
प्रो. सुमन कुमार झा (आचार्य) — [signature] 14/07/2023
प्रो. योगेश कुमार जैन (सहाचार्य) — Online

आज की इस मीटिंग में सभी सदस्य उपस्थित रहे, तीन ऑफलाइन एवं बाह्य विशेषज्ञ ऑनलाइन माध्यम से जुड़े। सभी को कल ही प्रा- नवीन पाठ्यक्रम का प्रारूप ऑनलाइन माध्यम से भेज दिया गया था, अतः सबने भली भाँति पढ़ लिया था। सभी ने अतिरिक्त शीर्षकादि प्रश्न/संशोधन आदि के जो सुझाव दिये, उन्हें सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया और उसका संशोधित प्रारूप बनाकर सोमवार दिनांक 17 जुलाई 2023 को कार्यालय में प्रस्तुत करने का निर्णय लिया गया।

[signature]

सहायक कुलसचिव (शैक्षणिक)
Assistant Registrar (Academic)
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी-4, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ

(मानित विश्वविद्यालय)

बी–4 कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली–110016

(अन्त:कार्यालयीय प्रयोग हेतु)

सङ्ख्या : सा.सं.सं.   दिनाङ्क : 12/06/023

विभाग : ....

साहित्य एवं संस्कृति संकाय

दिनांक 08/06/20223 को पाठ्यक्रम तैयार करने हेतु आयोजित कार्यशाला में हुई चर्चा के अनुसार पुराणेतिहास विभाग द्वारा तैयार पाठ्यक्रम प्रारूप को स्वीकृति प्रदान करने हेतु दिनांक 16/06/2023 को ऑनलाइन माध्यम से बैठक आयोजित की जायेगी जिसमें बाह्य सदस्य निम्नलिखित होंगे :-

1. प्रो. श्री कृष्ण त्रिपाठी काशाी हिन्दु विश्वविद्यालय वाराणसी
2. प्रो. मखलेश कुमार उपाध्याय सदाशिव परिसर पुरी उड़ीसा

ऑनलाइन

उपस्थित रहेंगे। शैक्षणिक विभाग इस संबंध में सूचना जारी करने का कष्ट करें।

12.06.023

(प्रो.शीतला प्रसाद शुक्ल)

साहित्य एवं संस्कृति पीठाध्यक्ष

सहायक कुलसचिव (शैक्षणिक)

SOCA 12

Sud. Jyoti

16/6/23

16/6/23

सहायक कुलसचिव (शैक्षणिक)
Assistant Registrar (Academic)
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी–4, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-16

योग-विज्ञान विभाग

पाठ्यक्रम अध्ययन मण्डल उपवेशन

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय योग विज्ञान विभागान्तर्गत बी.ए. योग, चतुवर्षीय पाठ्यक्रम विभागाध्यक्ष योग विज्ञान विभाग की अध्यक्षता एवं बाह्य विषय विशेषज्ञ प्रो. सुरेन्द्र कुमार, विभागाध्यक्ष, योग विज्ञान विभाग, गुरुगुल कांगड़ी विश्वविद्यालय के निर्देशन में दिनांक 12.07.2023 को अध्ययन मण्डल की बैठक में निर्मित किया गया, जिसमें बाह्य विषय विशेषज्ञ के परामर्श अनुसार पाठ्यक्रम निर्मित किया गया, विशेषज्ञ ने अपनी संतुष्टि एवं संस्तुति पत्र ऑनलाईन माध्यम से विभाग में प्रेषित किया है, जो पाठ्यक्रम के साथ संलग्न है। उपवेशन में प्रत्यक्ष एवं ऑनलाईन माध्यम से निम्नलिखित सदस्य उपस्थित हुए:

डॉ. रमेश कुमार

डॉ. विजय सिंह गुंसाई

प्रो. सुरेन्द्र कुमार

प्रो. महेश प्रसाद सिलोड़ी
विभागाध्यक्ष योग-विज्ञान विभाग

संलग्न पत्र: विषय विशेषज्ञ रिपोर्ट

23/8/23

सहायक कुलसचिव (शैक्षणिक)
Assistant Registrar (Academic)
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी-4, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University

(Central University)

बी-4, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110 016 (भारत)

B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110 016 (INDIA)

पत्र संख्या
Ref. No.

दिनाँक
Date

विश्वविद्यालय की विद्या परिषद् की सातवीं बैठक दिनांक १९.०६.२०२३ के अनुसार ज्योतिष विभाग के अन्तर्गत (संहिता ज्योतिष में) नये पाठ्यक्रम संचालित करने से सम्बंधित प्रस्ताव पर गहन विचार विमर्श के उपरान्त सर्व-सम्मति से यह निर्णय लिया गया कि प्रथम चरण में ज्योतिष विभाग को संहिता ज्योतिष विषय से शास्त्री पाठ्यक्रम संचालित करने की सैद्धान्तिक स्वीकृति प्रदान की गयी थी। अत: आज दिनांक १३.०७.२०२३ को ज्योतिष विभाग की अध्ययन मण्डल की बैठक ज्योतिष विभागाध्यक्षा प्रो. नीलम ठगेला जी की अध्यक्षता में ज्योतिष विभाग के कक्ष सं.१०९ में सम्पन्न हुई। इस बैठक में निम्न-लिखित दो बाह्य आचार्य (ऑनलाइन माध्यम से) एवं विभागीय आचार्य उपस्थित रहे। सभी सदस्यों द्वारा यह निर्णय लिया गया कि संहिता ज्योतिष पाठ्यक्रम को संचालित करने हेतु **'प्रवेश अर्हता', 'प्रवेश शुल्क'** एवं **'प्रवेश हेतु स्थान'** फलित ज्योतिष अथवा सिद्धान्त ज्योतिष के समान किया जा सकता है।

प्रो सदानन्द शुक्ल	बाह्य आचार्य	(ऑनलाइन माध्यम से)
प्रो श्रीपाद भट्ट	बाह्य आचार्य	(ऑनलाइन माध्यम से)
प्रो प्रेम कुमार शर्मा	विभागीय आचार्य	
प्रो बिहारीलाल शर्मा	विभागीय आचार्य	
प्रो विनोद कुमार शर्मा	विभागीय आचार्य	Vinod Sharma
प्रो नीलम ठगेला	विभागीय आचार्या (विभागाध्यक्षा)	
प्रो दिवाकरदत्त शर्मा	विभागीय आचार्य	
प्रो परमानंद भारद्वाज	विभागीय आचार्य	
डॉ सुशील कुमार	विभागीय आचार्य	
डॉ फणीन्द्र कुमार चौधरी	विभागीय आचार्य	
डॉ रश्मि चतुर्वेदी	विभागीय आचार्या	
डॉ खेमराज रेग्मी	विभागीय आचार्य	
डॉ बृज मोहन	विभागीय आचार्य	

प्रो नीलम ठगेला
(विभागाध्यक्षा)

सादर प्रस्तुत –

स कु स (शै०)

सहायक कुलसचिव (शैक्षणिक)
Assistant Registrar (Academic)
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी–४, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

दूरभाष/Tel : 011-46060606 (30 Lines), 46060505, 46060506, फैक्स/ Fax : 01146060633, 26533512, 26520255
ई-मेल/E-mail : info@slbsrsv.ac.in, वेबसाइट/Website : www.slbsrsv.ac.in

श्रीलालबहादुरशास्त्रीराष्ट्रियसंस्कृतविश्वविद्यालय:
(केन्द्रीयविश्वविद्यालय:)
बी-04, कुतुबसांस्थानिकक्षेत्रम्, नवदेहली-110016

04.05.2023

विषय:- शास्त्री प्रमाणपत्रम् (Undergraduate Certificate), शास्त्री डिप्लोमा (Undergraduate Diploma) , शास्त्री स्नातक: (Undergraduate Degree), शास्त्री सम्मानितशोधसहिता (Undergraduate-Honours with research), के पाठ्यक्रमों के सन्दर्भ में!

महोदय!

आपके क्रमांक: एफ-3/96 एलबीएस/शै/2023-24/3632 दिनांक 13-13.02.2023 के अनुसार ज्योतिष विभाग के शास्त्री प्रमाणपत्रम् (Undergraduate Certificate), शास्त्री डिप्लोमा (Undergraduate Diploma) , शास्त्री स्नातक: (Undergraduate Degree), शास्त्री सम्मानितशोधसहिता (Undergraduate-Honours with research), के पाठ्यक्रम का प्रारूप यूजीसी मानकानुसार तैयार कर अपेक्षित कार्यार्थ संलग्न है। इस पाठ्यक्रम में अभी विभाग को ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण (Summer Internship) की व्यवस्था विभिन्न संस्थानों एवं कम्पनियों में करनी है। विश्वविद्यालय द्वारा निचे दिए गये मानक प्रपत्र के अनुसार यह पाठ्यक्रम शास्त्री स्नातक (Undergraduate Degree) पाठ्यक्रम के पंचम सत्र में - दिया गया है और इस सन्दर्भ में विश्वविद्यालय को एक सामुहिक मार्गनिर्देशन सभी विभागों के छात्रों को पृथक् से बनाकर देना होगा, तभी विभाग इस सन्दर्भ में प्रारूप तैयार कर पायेगा। यथाविधि शास्त्री (Undergraduate) के सभी सत्रों के पाठ्यक्रमों के पाठ्यांश एवं क्रेडिट विवरण तैयार कर पृथक्-पृथक् रूप में दिये गए हैं। अपेक्षित अग्रीम कारवाही एवं दिशानिर्देश हेतु प्रस्तुत-

भवदीया

06/06/23

प्रो.नीलम ठगेला

अध्यक्ष-ज्योतिष विभाग

पीठप्रमुख: वेदविभाग

स.कु.स.वि.

06/06/2023

सहायक कुलसचिव (शैक्षणिक)
Assistant Registrar (Academic)
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी–४, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

श्रीलालबहादुरशास्त्रीराष्ट्रियसंस्कृतविश्वविद्यालयः

(केन्द्रीयविश्वविद्यालयः)

कुतुबसांस्थानिकक्षेत्रम्, नवदेहली - 110 016

प्रस्तावितपाठ्यक्रमप्रारूपम्

(राष्ट्रीयशिक्षानीतिप्रारूपानुरूपम्)

विषयः - वास्तुशास्त्रम्, विभागः - वास्तुशास्त्रम्, संकायः - वेदवेदाङ्गम्

शास्त्री (सम्मानितशोधसहिता)

Undergraduate (Honours with research)

विशेष –

1- मूलशास्त्रीयपाठ्यक्रमः (Major (core) Course) के शास्त्री स्नातक तक 15 प्रश्नपत्र तथा शास्त्री समानित शोध के साथ में 20 प्रश्नपत्र होंगे। प्रत्येक प्रश्नपत्र 4 क्रेडिट का होगा।

2- माइनरस्ट्रीमपाठ्यक्रमः (minor stream courses) के शास्त्री स्नातक तक 06 प्रश्नपत्र तथा शास्त्री समानित शोध के साथ में 08 प्रश्नपत्र होंगे। प्रत्येक प्रश्नपत्र 4 क्रेडिट का होगा।

3- बहु अनुशासनात्मकपाठ्यक्रमः (Multidisciplinary Courses) 09 क्रेडिट ।

4- योग्यताभिवृद्धिपाठ्यक्रमः (Ability Enhancement Compulsory Course (AEC) 08 क्रेडिट।

5- कौशलाभिवृद्धिपाठ्यक्रमः Skill Enhancement Course (SEC) 09 क्रेडिट ।

6- मूल्यशिक्षापाठ्यक्रमः Value added Course (VAC) 06 से 08 क्रेडिट ।

7- ग्रीष्मकालिकप्रशिक्षण Summer Internship (SI) 02 से 04 क्रेडिट ।

8- शोधयोजना (Research Project) 12 क्रेडिट ।

9- प्रत्येक प्रश्नपत्र 100 पूर्णाङ्क का होगा। जिसमें से 04 क्रेडिट वाले प्रश्नपत्र में सैद्धान्तिक-मूल्याङ्कन के 80 अङ्क एवं आन्तरिक / अनुशिक्षणम् (Tutorial) - मूल्याङ्कन के 20 अङ्क का होगे । यह मूल्याङ्कन चार भागों में विभक्त होगा । यथा-

1. आन्तरिक परीक्षण/ प्रदत नियत कार्य
   (Internal test / Assignment) - 05 अङ्क
2. शास्त्र सम्बद्ध संगोष्ठी / शास्त्र परिचर्या
   {Shastriya paricharya(seminar/symposia)} - 05 अङ्क
3. शिक्षण स्रोत सामग्री का संचयन एवं प्रबन्धन
   (Learning Resource Maintenance) - 05 अङ्क
4. उपस्थिति (Attendance) - 05 अङ्क

   (75 % = 01 अङ्क, 76 % से 80 % = 02 अङ्क, 81 % से 85 % = 03 अङ्क, 86 % से 90 % = 04 अङ्क, 91 % से अधिक = 05 अङ्क देय होंगे)

कुल योग – **20 अङ्क**

सहायक कुलसचिव (शैक्षणिक)
Assistant Registrar (Academic)
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी–४, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

10- शास्त्री स्नातक (SHASTRI (Undergraduate)) का सम्पूर्ण पाठ्यक्रम 120 क्रेडिट का होगा।

11- शास्त्री सम्मानित शोधसहित (SHASTRI (B.A) Honours with research) का सम्पूर्ण पाठ्यक्रम 160 क्रेडिट का होगा।

सहायक कुलसचिव (शैक्षणिक)
Assistant Registrar (Academic)
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी–४, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
वी-4, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016

वास्तुशास्त्र विभागीय अध्ययन मण्डल
उपवेशन कार्यवृत्त

दिनांक 14 जुलाई 2023 को अपराह्न 3:00 बजे वास्तुशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो. देवीप्रसाद त्रिपाठी जी की अध्यक्षता में कक्ष संख्या 104 में विभागीय अध्ययन मण्डल की बैठक आयोजित हुई। इस उपवेशन में विभागीय अध्ययन मण्डल के निम्नलिखित सदस्य समुपस्थित रहे-

1- प्रो. देवीप्रसाद त्रिपाठी, अध्यक्ष वास्तुशास्त्र विभाग	-	अध्यक्ष
2- प्रो. विनय कुमार पाण्डेय (बाह्य विषयविशेषज्ञ)	-	सदस्य
3- प्रो. श्यामदेव मिश्र (बाह्य विषयविशेषज्ञ)	-	सदस्य
4- डॉ. रश्मि चतुर्वेदी, सहाचार्या ज्योतिष (अन्तः विषयविशेषज्ञा)	-	सदस्य
5- डॉ. अशोक थपलियाल, सहाचार्य वास्तुशास्त्र	-	सदस्य
6- डॉ. देशबन्धु, सहायकाचार्य वास्तुशास्त्र	-	सदस्य
7- डॉ. प्रवेश व्यास, सहायकाचार्य वास्तुशास्त्र	-	सदस्य

इनमें बाह्य विषयविशेषज्ञ प्रो. विनय कुमार पाण्डेय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी तथा प्रो. श्यामदेव मिश्र, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, लखनऊ परिसर इस उपवेशन में गूगल मीट ऑनलाइन माध्यम से समुपस्थित रहे। जबकि अन्य सदस्य ऑफलाइन माध्यम से उपस्थित रहे।

मङ्गलाचरण के उपरान्त इस उपवेशन में राष्ट्रीय शिक्षानीति 2020 के परिप्रेक्ष्य में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के द्वारा दिसम्बर 2022 में जारी फ्रेमवर्क के अनुसार वास्तुशास्त्र विभाग के लिए नवीन पाठ्यक्रम पर गहन विचार विमर्श के उपरान्त निम्नलिखित प्रस्ताव पारित किये गये –

1- यह स्नातक सम्मानित शोध सहित (UG Honours with Research) चतुर्वर्षीय पाठ्यक्रम कुल मिलाकर 160 Credits का होगा, जिसमें कुल आठ सत्रार्ध होंगे।

2- प्रथम वर्ष के 2 सत्रार्धों में कुल 40 Credits अर्जित करने के उपरान्त पाठ्यक्रम छोड़ने वाले छात्रों को Skill based Courses में अर्जित 6 Credits में योजित Summer Term या Internship/ Apprenticeship के समय प्रस्तुत Work based Vocational Course में 4 क्रेडिट प्राप्त करने पर वास्तुशास्त्र में **शास्त्री प्रमाणपत्र** (UG Certificate) प्रदान किया जायेगा।

सहायक कुलसचिव (शैक्षणिक)
Assistant Registrar (Academic)
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी–४, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

3- प्रथम एवं द्वितीय वर्ष में (2 वर्षों के 4 सत्रार्धों में) कुल 80 Credits अर्जित करने के उपरान्त पाठ्यक्रम छोडने वाले छात्रों को Summer Term में Skill based Vocational Course में प्रथम या द्वितीय वर्ष में 4 क्रेडिट प्राप्त करने पर वास्तुशास्त्र में **शास्त्री उपाधिपत्र (UG Diploma)** प्रदान किया जायेगा।

4- प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष में (3 वर्षों के 6 सत्रार्धों में) प्रासंगिक 400 Level में कुल 120 Credits अर्जित करने के उपरान्त पाठ्यक्रम छोडने वाले छात्रों को वास्तुशास्त्र में **शास्त्री उपाधि (UG Degree)** प्रदान की जायेगी।

5- प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ वर्ष में (4 वर्षों के 8 सत्रार्धों में) कुल 160 Credits अर्जित करने के उपरान्त छात्रों को वास्तुशास्त्र में शास्त्री सम्मानित शोधसहित (UG Honours with Research) की उपाधि प्रदान की जायेगी।

6- वास्तुशास्त्र के पाठ्यक्रम में Major (Core) के कुल 80 Credits में प्रथम सत्रार्ध में 4 Credit का एक प्रश्नपत्र, द्वितीय सत्रार्ध में भी 4 Credit का एक प्रश्नपत्र, तृतीय सत्रार्ध में 4-4 Credits के दो प्रश्नपत्र, चतुर्थ सत्रार्ध में 4-4 Credits के चार प्रश्नपत्र, पंचम सत्रार्ध में 4-4 Credits के तीन प्रश्नपत्र, षष्ठ सत्रार्ध में 4-4 Credits के चार प्रश्नपत्र, सप्तम सत्रार्ध में 4-4 Credits के दो प्रश्नपत्र तथा अष्टम सत्रार्ध में 4-4 Credits के दो प्रश्नपत्र होंगे।

7- Minor Stream के अन्तर्गत वास्तुशास्त्र का चयन करने वाले छात्रों को कुल 32 Credits में प्रथम सत्रार्ध में 4 Credit का एक प्रश्नपत्र, द्वितीय सत्रार्ध में 4 Credit का एक प्रश्नपत्र, तृतीय सत्रार्ध में 4 Credit का एक प्रश्नपत्र, चतुर्थ सत्रार्ध में 4 Credit का एक प्रश्नपत्र, पंचम सत्रार्ध में 4 Credit का एक प्रश्नपत्र, षष्ठ सत्रार्ध में 4 Credit का एक प्रश्नपत्र, सप्तम सत्रार्ध में 4-4 Credits के दो प्रश्नपत्रों का अध्ययन करना होगा ।

8- Multi-disciplinary के अन्तर्गत भारतीय वास्तुशास्त्र का चयन करने वाले छात्रों को कुल 09 Credits में प्रथम सत्रार्ध में 3 Credit का एक प्रश्नपत्र, द्वितीय सत्रार्ध में 3 Credit का एक प्रश्नपत्र तथा तृतीय सत्रार्ध में भी 3 Credit का एक प्रश्नपत्र का अध्ययन करना होगा । इस पाठ्यक्रम का अध्ययन का माध्यम संस्कृत / हिन्दी रखा जा सकता है ।

9- विभागीय अध्ययन मण्डल में उपर्युक्त Major (core), Minor stream तथा Multi-disciplinary Courses के प्रश्नपत्रों में अध्यापन हेतु विषयवस्तु का भी गहन विचारोपरान्त निर्धारण किया गया है।

10- Major (core) में शास्त्री प्रमाणपत्र (प्रथम वर्ष) के प्रथम सत्रार्ध में वास्तुशास्त्र का परिचय का एक प्रश्नपत्र तथा द्वितीय सत्रार्ध में जन्मकुण्डली परिचय का भी एक प्रश्नपत्र रखा गया है। शास्त्री उपाधिपत्र (द्वितीय वर्ष) तृतीय सत्रार्ध में वास्तुरत्नावली (दिक्साधनतः समाप्तिपर्यन्तम्) एवं मुहूर्तचिन्तामणि (शुभाशुभनक्षत्रप्रकरणे) तथा चतुर्थ सत्रार्ध में चार प्रश्नपत्र क्रमशः वास्तुविद्या (1-

सहायक कुलसचिव (शैक्षणिक)
Assistant Registrar (Academic)
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी-4, कुतुब, सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

8 अध्याय), मुहूर्त्तचिन्तामणि (सङ्क्रान्तितः विवाहप्रकरणपर्यन्तम्), विश्वकर्मप्रकाश (1-6 अध्याय) एवं जातकालङ्कारः लघुपाराशरी च निर्धारित किये गये। शास्त्री स्नातक (तृतीयवर्ष) पंचम सत्रार्ध में तीन प्रश्नपत्र क्रमशः मुहूर्त्तचिन्तामणि (यात्रातः गृहप्रवेशप्रकरणपर्यन्तम्), वास्तुविद्या (9-16 अध्याय) एवं बृहत्संहिता (वास्तुविद्यातः प्रतिमालक्षणाध्यायपर्यन्तम्) तथा षष्ठ सत्रार्ध में चार प्रश्नपत्र क्रमशः रेखागणित (1-2 अध्यायौ), रूपमण्डनम्, बृहज्जातकम् (नाभसयोगपर्यन्तम्) एवं आधुनिक वास्तुकला रखे गये हैं। शास्त्री सम्मानित शोधसहित (चतुर्थवर्ष) सप्तमसत्रार्ध में तीन प्रश्नपत्र क्रमशः मनुष्यालय चन्द्रिका, प्रासादमण्डनम् एवं समराङ्गणसूत्रधार (01-11 अध्यायाः) तथा अष्टम सत्रार्ध के दो प्रश्नपत्र क्रमशः समराङ्गणसूत्रधार (12-20 अध्यायाः) एवं गोलपरिभाषा सूर्यसिद्धान्तस्य च मध्यमस्पष्टाधिकारौ निर्धारित किये गये हैं। इस प्रकार Major (core) पाठ्यक्रम में 80 credits के कुल 20 प्रश्नपत्र होंगे। प्रत्येक प्रश्नपत्र 100 अंकों का होगा, जिसमें 80 अंकों (03 क्रेडिट) का सैद्धांतिक तथा 20 अंकों (01 क्रेडिट) का अनुशिक्षण / प्रायोगिक मूल्याङ्कन होगा ।

11- Minor stream में शास्त्री प्रमाणपत्र (प्रथम वर्ष) के प्रथम सत्रार्ध में बृहद्वास्तुमाला (आदितः गृहप्रवेशप्रकरणान्तम्) का एक प्रश्नपत्र तथा द्वितीय सत्रार्ध में देवतामूर्तिप्रकरणम् का भी एक प्रश्नपत्र रखा गया है। शास्त्री उपाधिपत्र (द्वितीय वर्ष) तृतीय सत्रार्ध में एक प्रश्नपत्र बृहद्वास्तुमाला (चरणिविचारतः प्रतिष्ठाप्रकरणपर्यन्तम्) तथा चतुर्थ सत्रार्ध में भी एक प्रश्नपत्र भुवनकोशविमर्श निर्धारित किया गया। शास्त्री स्नातक (तृतीयवर्ष) पंचम सत्रार्ध में एक प्रश्नपत्र शिल्पशास्त्रं विश्ववल्लभवृक्षायुर्वेदश्च तथा षष्ठ सत्रार्ध में भी एक प्रश्नपत्र वास्तुसारः (वास्तुविधानतः वास्तुविन्यासपर्यन्तम्) रखे गये हैं। शास्त्री सम्मानित शोधसहित (चतुर्थवर्ष) सप्तमसत्रार्ध में दो प्रश्नपत्र क्रमशः वास्तुराजवल्लभमण्डनम् एवं वास्तुसारः(कालविधानतः वृक्षारोपणप्रकरणपर्यन्तम्) निर्धारित किये गये हैं। इस प्रकार Minor stream पाठ्यक्रम में 32 credits के कुल 08 प्रश्नपत्र होंगे। प्रत्येक प्रश्नपत्र 100 अंकों का होगा, जिसमें 80 अंकों (03 क्रेडिट) का सैद्धांतिक तथा 20 अंकों (01 क्रेडिट) का अनुशिक्षण / प्रायोगिक मूल्याङ्कन होगा ।

12- Multi-disciplinary के अन्तर्गत भारतीय वास्तुशास्त्र का चयन करने वाले छात्रों के लिए शास्त्री प्रमाणपत्र (प्रथम वर्ष) के प्रथम सत्रार्ध में एक प्रश्नपत्र भारतीय वास्तुशास्त्र तथा द्वितीय सत्रार्ध में भी एक प्रश्नपत्र भवननिवेश रखा गया है। शास्त्री उपाधिपत्र (द्वितीय वर्ष) तृतीय सत्रार्ध में एक प्रश्नपत्र चित्रलक्षणम् निर्धारित किया गया। इस प्रकार Multi -disciplinary पाठ्यक्रम में 09 credits के कुल 03 प्रश्नपत्र होंगे। इस पाठ्यक्रम में 3 credits के कुल 03 प्रश्नपत्र होंगे । प्रत्येक प्रश्नपत्र 75 अंकों का होगा ।

13- इससे पूर्व में Choice based credit System पर आधारित त्रिवर्षीय शास्त्री (सम्मानित) पाठ्यक्रम से NEP 2020 पर आधारित प्रस्तावित चतुर्वर्षीय पाठ्यक्रम पर्यासरूप से भिन्न है। Choice based credit System पर प्रचलित पाठ्यक्रम में Core Courses में 6-6 credits के कुल 14 प्रश्नपत्र (कुल 84 credits) निर्धारित थे, जबकि NEP 2020 पर आधारित प्रस्तावित त्रिवर्षीय

सहायक कुलसचिव (शैक्षणिक)
Assistant Registrar (Academic)
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी–४, कुतुब संस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

स्नातक पाठ्यक्रम तक 4-4 credits के कुल 15 प्रश्नपत्र (कुल 60 credits) निर्धारित हैं। साथ ही इसमें Internship के लिए भी 2 credits निर्धारित हैं। इसमें विषयेतर छात्रों के लिए Minor stream के 32 credits तथा Multi-disciplinary के 09 credits के पाठ्यक्रम वास्तुशास्त्र के विस्तृत एवं गहन अध्ययन की दृष्टि से अत्यन्त महत्त्वपूर्ण हैं।

14- विषयवस्तु की दृष्टि से Choice based credit System पर आधारित पाठ्यक्रम से NEP 2020 पर आधारित प्रस्तावित पाठ्यक्रम में प्रायः 50 प्रतिशत Core Courses में ग्रहण किया गया है। Minor stream में प्रायः 13 प्रतिशत ग्रहण किया गया है। Multi-disciplinary के पाठ्यक्रम में शत प्रतिशत विषयवस्तु नूतन ली गयी है। इस प्रकार प्रस्तावित पाठ्यक्रम में प्रायः 54 प्रतिशत विषयवस्तु की दृष्टि से Choice based credit System पर आधारित पाठ्यक्रम से NEP 2020 पर आधारित प्रस्तावित पाठ्यक्रम में ग्रहण किया गया है। जिससे छात्रों के लिए यह विषय उपादेय हो सके।

15- समिति ने विस्तृत विचार विमर्श के उपरांत यह निर्णय लिया कि वास्तुशास्त्र विभाग में प्राचीन एवं अर्वाचीन सिद्धान्तों के सम्यग् अध्ययन हेतु **भारतीय वास्तुकला** के नाम से नूतन पाठ्यक्रम समग्र बी.ए (स्नातक), एम. ए. (स्नातकोतर) एवं शोध स्तर पर खोला जाय। NEP 2020 की मूल अवधारणा के अनुरूप भारतीय वास्तुकला एवं अभियान्त्रिकी के वैभव को जनसामान्य तक पहुँचाने एवं उससे लाभ लेने हेतु इस शास्त्र का परिचयात्मक एवं विस्तृत अध्ययनात्मक समावेश की दृष्टि से यह पाठ्यक्रम हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम से विश्वविद्यालय में नितान्त आवश्यक है। समग्र पाठ्यक्रम का निर्माण वास्तुशास्त्र विभाग द्वारा विश्वविद्यालय की यथाविधि सैद्धान्तिक स्वीकृति के उपरान्त किया जा सकता है।

उपवेशन के अन्त में अध्यक्ष-वास्तुशास्त्रविभाग ने विभागीय अध्ययन मण्डल की बैठक में ऑनलाइन माध्यम से जुडे बाह्य विषयविशेषज्ञों तथा प्रत्यक्ष रूप से समागत अध्ययन मण्डल के अन्य सदस्यों का धन्यवाद ज्ञापित किया। तदनन्तर शान्तिमन्त्र के साथ उपवेशन की सम्पूर्ति हुई।

(डॉ. प्रवेश व्यास))

(डॉ. देशबन्धु)

(डॉ. अशोक थपलियाल)

(डॉ. रश्मि चतुर्वेदी)

ऑनलाइन ★
(प्रो. श्यामदेव मिश्र)

ऑनलाइन ★
(प्रो. विनय कुमार पाण्डेय)

(प्रो. देवीप्रसाद त्रिपाठी)

★ ऑनलाइन उपस्थित माननीय सदस्यों द्वारा हस्ताक्षरित प्रति संलग्न है।

सहायक कुलसचिव (शैक्षणिक)
Assistant Registrar (Academic)
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी–४, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

श्रीलालबहादुरशास्त्रीराष्ट्रियसंस्कृतविश्वविद्यालयः
(केन्द्रीयविश्वविद्यालयः),
बी- 04, कुतुबसांस्थानिकक्षेत्रम्, नवदेहली - 110 016

दिनांक -14.07.2023

विषय - शास्त्री- प्रमाणपत्रम् (Undergraduate- Certificate), शास्त्री- उपाधिपत्रम् (Undergraduate- Diploma), शास्त्री- उपाधिः (स्नातकः) (Undergraduate - Degree), शास्त्री- सम्मानितशोधसहिता (Undergraduate - Honours with research), के पाठ्यक्रमों के सन्दर्भ में दिनांक 14.07.2023 को आयोजित विभागीय अध्ययन मण्डल की बैठक का कार्यवृत्त आवश्यक कार्यार्थ प्रेषित।

महोदय,

आपके पत्र क्रमांकः एफ-3/96एलबीएस/शै/2023-24/3897 दिनांक 26.06.2023 के अनुसार वास्तुशास्त्र विभाग के शास्त्री-प्रमाणपत्रम् (Undergraduate - Certificate), शास्त्री- उपाधिपत्रम् (Undergraduate- Diploma), शास्त्री- उपाधिः (स्नातकः) (Undergraduate - Degree), शास्त्री- सम्मानितशोधसहिता (Undergraduate - Honours with research) के पाठ्यक्रम दिनांक 14.07.2023 को आयोजित विभागीय अध्ययन मण्डल की बैठक में यूजीसी मानकानुसार तैयार कर दिया गया है। अग्रिम कार्यवाही एवं दिशानिर्देश हेतु प्रस्तुत

प्राप्ति संख्या सं. 2353 दि. 18/7/23

भवदीय

14/07/23

(प्रो0 देवीप्रसाद त्रिपाठी)
अध्यक्ष
वास्तुशास्त्र विभाग

पीठप्रमुख- वेदवेदांग

18/07/2023

सहायक कुलसचिव (शैक्षणिक)

सहायक कुलसचिव (शैक्षणिक)
Assistant Registrar (Academic)
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी–४, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
बी-4, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016

वास्तुशास्त्र विभागीय अध्ययन मण्डल

उपवेशन कार्यवृत्त

दिनांक 14 जुलाई 2023 को अपराह्न 3:00 बजे वास्तुशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो. देवीप्रसाद त्रिपाठी जी की अध्यक्षता में कक्ष संख्या 104 में विभागीय अध्ययन मण्डल की बैठक आयोजित हुई। इस उपवेशन में विभागीय अध्ययन मण्डल के निम्नलिखित सदस्य समुपस्थित रहे-

1- प्रो. देवीप्रसाद त्रिपाठी, अध्यक्ष वास्तुशास्त्र विभाग	-	अध्यक्ष
2- प्रो. विनय कुमार पाण्डेय (बाह्य विषयविशेषज्ञ)	-	सदस्य
3- प्रो. श्यामदेव मिश्र (बाह्य विषयविशेषज्ञ)	-	सदस्य
4- डॉ. रश्मि चतुर्वेदी, सहाचार्या ज्योतिष (अन्तः विषयविशेषज्ञा)	-	सदस्य
5- डॉ. अशोक थपलियाल, सहाचार्य वास्तुशास्त्र	-	सदस्य
6- डॉ. देशबन्धु, सहायकाचार्य वास्तुशास्त्र	-	सदस्य
7- डॉ. प्रवेश व्यास, सहायकाचार्य वास्तुशास्त्र	-	सदस्य

इनमें बाह्य विषयविशेषज्ञ प्रो. विनय कुमार पाण्डेय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी तथा प्रो. श्यामदेव मिश्र, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, लखनऊ परिसर इस उपवेशन में गूगल मीट ऑनलाइन माध्यम से समुपस्थित रहे। जबकि अन्य सदस्य ऑफलाइन माध्यम से उपस्थित रहे।

मङ्गलाचरण के उपरान्त इस उपवेशन में राष्ट्रीय शिक्षानीति 2020 के परिप्रेक्ष्य में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के द्वारा दिसम्बर 2022 में जारी फ्रेमवर्क के अनुसार वास्तुशास्त्र विभाग के लिए नवीन पाठ्यक्रम पर गहन विचार विमर्श के उपरान्त निम्नलिखित प्रस्ताव पारित किये गये –

1- यह स्नातक सम्मानित शोध सहित (UG Honours with Research) चतुर्वर्षीय पाठ्यक्रम कुल मिलाकर 160 Credits का होगा, जिसमें कुल आठ सत्रार्ध होंगे।

2- प्रथम वर्ष के 2 सत्रार्धों में कुल 40 Credits अर्जित करने के उपरान्त पाठ्यक्रम छोडने वाले छात्रों को Skill based Courses में अर्जित 6 Credits में योजित Summer Term या Internship/ Apprenticeship के समय प्रस्तुत Work based Vocational Course में 4 क्रेडिट प्राप्त करने पर वास्तुशास्त्र में शास्त्री प्रमाणपत्र (UG Certificate) प्रदान किया जायेगा।

सहायक कुलसचिव (शैक्षणिक)
Assistant Registrar (Academic)
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी–४, कुतुब सास्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

3- प्रथम एवं द्वितीय वर्ष में (2 वर्षों के 4 सत्रार्धों में) कुल 80 Credits अर्जित करने के उपरान्त पाठ्यक्रम छोडने वाले छात्रों को Summer Term में Skill based Vocational Course में प्रथम या द्वितीय वर्ष में 4 क्रेडिट प्राप्त करने पर वास्तुशास्त्र में शास्त्री उपाधिपत्र (UG Diploma) प्रदान किया जायेगा।

4- प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष में (3 वर्षों के 6 सत्रार्धों में) प्रासंगिक 400 Level में कुल 120 Credits अर्जित करने के उपरान्त पाठ्यक्रम छोडने वाले छात्रों को वास्तुशास्त्र में शास्त्री उपाधि (UG Degree) प्रदान की जायेगी।

5- प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ वर्ष में (4 वर्षों के 8 सत्रार्धों में) कुल 160 Credits अर्जित करने के उपरान्त छात्रों को वास्तुशास्त्र में शास्त्री सम्मानित शोधसहित (UG Honours with Research) की उपाधि प्रदान की जायेगी।

6- वास्तुशास्त्र के पाठ्यक्रम में Major (Core) के कुल 80 Credits में प्रथम सत्रार्ध में 4 Credit का एक प्रश्नपत्र, द्वितीय सत्रार्ध में भी 4 Credit का एक प्रश्नपत्र, तृतीय सत्रार्ध में 4-4 Credits के दो प्रश्नपत्र, चतुर्थ सत्रार्ध में 4-4 Credits के चार प्रश्नपत्र, पंचम सत्रार्ध में 4-4 Credits के तीन प्रश्नपत्र, षष्ठ सत्रार्ध में 4-4 Credits के चार प्रश्नपत्र, सप्तम सत्रार्ध में 4-4 Credits के दो प्रश्नपत्र तथा अष्टम सत्रार्ध में 4-4 Credits के दो प्रश्नपत्र होंगे।

7- Minor Stream के अन्तर्गत वास्तुशास्त्र का चयन करने वाले छात्रों को कुल 32 Credits में प्रथम सत्रार्ध में 4 Credit का एक प्रश्नपत्र, द्वितीय सत्रार्ध में 4 Credit का एक प्रश्नपत्र, तृतीय सत्रार्ध में 4 Credit का एक प्रश्नपत्र, चतुर्थ सत्रार्ध में 4 Credit का एक प्रश्नपत्र, पंचम सत्रार्ध में 4 Credit का एक प्रश्नपत्र, षष्ठ सत्रार्ध में 4 Credit का एक प्रश्नपत्र, सप्तम सत्रार्ध में 4-4 Credits के दो प्रश्नपत्रों का अध्ययन करना होगा ।

8- Multi-disciplinary के अन्तर्गत भारतीय वास्तुशास्त्र का चयन करने वाले छात्रों को कुल 09 Credits में प्रथम सत्रार्ध में 3 Credit का एक प्रश्नपत्र, द्वितीय सत्रार्ध में 3 Credit का एक प्रश्नपत्र तथा तृतीय सत्रार्ध में भी 3 Credit का एक प्रश्नपत्र का अध्ययन करना होगा । इस पाठ्यक्रम का अध्ययन का माध्यम संस्कृत / हिन्दी रखा जा सकता है ।

9- विभागीय अध्ययन मण्डल में उपर्युक्त Major (core), Minor stream तथा Multi-disciplinary Courses के प्रश्नपत्रों में अध्यापन हेतु विषयवस्तु का भी गहन विचारोपरान्त निर्धारण किया गया है।

10- Major (core) में शास्त्री प्रमाणपत्र (प्रथम वर्ष) के प्रथम सत्रार्ध में वास्तुशास्त्र का परिचय का एक प्रश्नपत्र तथा द्वितीय सत्रार्ध में जन्मकुण्डली परिचय का भी एक प्रश्नपत्र रखा गया है। आचार्य उपाधिपत्र (द्वितीय वर्ष) तृतीय सत्रार्ध में वास्तुरत्नावली (दिक्साधनतः समाप्तिपर्यन्तम्) एवं मुहूर्त्तचिन्तामणि (शुभाशुभनक्षत्रप्रकरणे) तथा चतुर्थ सत्रार्ध में चार प्रश्नपत्र क्रमशः वास्तुविद्या (

सहायक कुलसचिव (शैक्षणिक)
Assistant Registrar (Academic)
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी–४, कुतुब सास्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

8 अध्याय), मुहूर्त्तचिन्तामणि (सङ्क्रान्तितः विवाहप्रकरणपर्यन्तम्), विश्वकर्मप्रकाश (1-6 अध्याय) एवं जातकालङ्कारः लघुपाराशरी च निर्धारित किये गये। शास्त्री स्नातक (तृतीयवर्ष) पंचम सत्रार्ध में तीन प्रश्नपत्र क्रमशः मुहूर्त्तचिन्तामणि (यात्रातः गृहप्रवेशप्रकरणपर्यन्तम्), वास्तुविद्या (9-16 अध्याय) एवं बृहत्संहिता (वास्तुविद्यातः प्रतिमालक्षणाध्यायपर्यन्तम्) तथा षष्ठ सत्रार्ध में चार प्रश्नपत्र क्रमशः रेखागणित (1-2 अध्यायौ), रूपमण्डनम्, बृहज्जातकम् (नाभसयोगपर्यन्तम्) एवं आधुनिक वास्तुकला रखे गये हैं। शास्त्री सम्मानित शोधसहित (चतुर्थवर्ष) सप्तमसत्रार्ध में तीन प्रश्नपत्र क्रमशः मनुष्यालय चन्द्रिका, प्रासादमण्डनम् एवं समराङ्गणसूत्रधार (01-11 अध्यायाः) तथा अष्टम सत्रार्ध के दो प्रश्नपत्र क्रमशः समराङ्गणसूत्रधार (12-20 अध्यायाः) एवं गोलपरिभाषा सूर्यसिद्धान्तस्य च मध्यमस्पष्टाधिकारौ निर्धारित किये गये हैं। इस प्रकार Major (core) पाठ्यक्रम में 80 credits के कुल 20 प्रश्नपत्र होंगे। प्रत्येक प्रश्नपत्र 100 अंकों का होगा, जिसमें 80 अंकों (03 क्रेडिट) का सैद्धांतिक तथा 20 अंकों (01 क्रेडिट) का अनुशिक्षण / प्रायोगिक मूल्याङ्कन होगा ।

11- Minor stream में शास्त्री प्रमाणपत्र (प्रथम वर्ष) के प्रथम सत्रार्ध में बृहद्वास्तुमाला (आदितः गृहप्रवेशप्रकरणान्तम्) का एक प्रश्नपत्र तथा द्वितीय सत्रार्ध में देवतामूर्तिप्रकरणम् का भी एक प्रश्नपत्र रखा गया है। शास्त्री उपाधिपत्र (द्वितीय वर्ष) तृतीय सत्रार्ध में एक प्रश्नपत्र बृहद्वास्तुमाला (चरणिविचारतः प्रतिष्ठाप्रकरणपर्यन्तम्) तथा चतुर्थ सत्रार्ध में भी एक प्रश्नपत्र भुवनकोशविमर्श निर्धारित किया गया। शास्त्री स्नातक (तृतीयवर्ष) पंचम सत्रार्ध में एक प्रश्नपत्र शिल्पशास्त्रं विश्ववल्लभवृक्षायुर्वेदश्च तथा षष्ठ सत्रार्ध में भी एक प्रश्नपत्र वास्तुसारः (वास्तुविधानतः वास्तुविन्यासपर्यन्तम्) रखे गये हैं। शास्त्री सम्मानित शोधसहित (चतुर्थवर्ष) सप्तमसत्रार्ध में दो प्रश्नपत्र क्रमशः वास्तुराजवल्लभमण्डनम् एवं वास्तुसारः(कालविधानतः वृक्षारोपणप्रकरणपर्यन्तम्) निर्धारित किये गये हैं। इस प्रकार Minor stream पाठ्यक्रम में 32 credits के कुल 08 प्रश्नपत्र होंगे। प्रत्येक प्रश्नपत्र 100 अंकों का होगा, जिसमें 80 अंकों (03 क्रेडिट) का सैद्धांतिक तथा 20 अंकों (01 क्रेडिट) का अनुशिक्षण / प्रायोगिक मूल्याङ्कन होगा ।

12- Multi-disciplinary के अन्तर्गत भारतीय वास्तुशास्त्र का चयन करने वाले छात्रों के लिए शास्त्री प्रमाणपत्र (प्रथम वर्ष) के प्रथम सत्रार्ध में एक प्रश्नपत्र भारतीय वास्तुशास्त्र तथा द्वितीय सत्रार्ध में भी एक प्रश्नपत्र भवननिवेश रखा गया है। शास्त्री उपाधिपत्र (द्वितीय वर्ष) तृतीय सत्रार्ध **में एक प्रश्नपत्र चित्रलक्षणम् निर्धारित किया गया। इस प्रकार** Multi -disciplinary **पाठ्यक्रम** में 09 credits के कुल 03 प्रश्नपत्र होंगे। इस पाठ्यक्रम में 3 credits के कुल 03 प्रश्नपत्र होंगे । प्रत्येक प्रश्नपत्र 75 अंकों का होगा ।

13- इससे पूर्व में Choice based credit System पर आधारित त्रिवर्षीय शास्त्री (सम्मानित) पाठ्यक्रम से NEP 2020 पर आधारित प्रस्तावित चतुर्वर्षीय पाठ्यक्रम पर्यासरूप से भिन्न है। Choice based credit System पर प्रचलित पाठ्यक्रम में Core Courses में 6-6 credits के कुल 14 प्रश्नपत्र (कुल 84 credits) निर्धारित थे, जबकि NEP 2020 पर आधारित प्रस्तावित त्रिवर्षी

सहायक कुलसचिव (शैक्षणिक)
Assistant Registrar (Academic)
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी–४, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

स्नातक पाठ्यक्रम तक 4-4 credits के कुल 15 प्रश्नपत्र (कुल 60 credits) निर्धारित हैं। साथ ही इसमें Internship के लिए भी 2 credits निर्धारित हैं। इसमें विषयेतर छात्रों के लिए Minor stream के 32 credits तथा Multi-disciplinary के 09 credits के पाठ्यक्रम वास्तुशास्त्र के विस्तृत एवं गहन अध्ययन की दृष्टि से अत्यन्त महत्त्वपूर्ण हैं।

14- विषयवस्तु की दृष्टि से Choice based credit System पर आधारित पाठ्यक्रम से NEP 2020 पर आधारित प्रस्तावित पाठ्यक्रम में प्रायः 50 प्रतिशत Core Courses में ग्रहण किया गया है। Minor stream में प्रायः 13 प्रतिशत ग्रहण किया गया है। Multi-disciplinary के पाठ्यक्रम में शत प्रतिशत विषयवस्तु नूतन ली गयी है। इस प्रकार प्रस्तावित पाठ्यक्रम में प्रायः 54 प्रतिशत विषयवस्तु की दृष्टि से Choice based credit System पर आधारित पाठ्यक्रम से NEP 2020 पर आधारित प्रस्तावित पाठ्यक्रम में ग्रहण किया गया है। जिससे छात्रों के लिए यह विषय उपादेय हो सके।

15- समिति ने विस्तृत विचार विमर्श के उपरांत यह निर्णय लिया कि वास्तुशास्त्र विभाग में प्राचीन एवं अर्वाचीन सिद्धान्तों के सम्यग् अध्ययन हेतु भारतीय वास्तुकला के नाम से नूतन पाठ्यक्रम समग्र बी.ए (स्नातक), एम. ए. (स्नातकोतर) एवं शोध स्तर पर खोला जाय। NEP 2020 की मूल अवधारणा के अनुरूप भारतीय वास्तुकला एवं अभियान्त्रिकी के वैभव को जनसामान्य तक पहुँचाने एवं उससे लाभ लेने हेतु इस शास्त्र का परिचयात्मक एवं विस्तृत अध्ययनात्मक समावेश की दृष्टि से यह पाठ्यक्रम हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम से विश्वविद्यालय में नितान्त आवश्यक है। समग्र पाठ्यक्रम का निर्माण वास्तुशास्त्र विभाग द्वारा विश्वविद्यालय की यथाविधि सैद्धान्तिक स्वीकृति के उपरान्त किया जा सकता है।

उपवेशन के अन्त में अध्यक्ष-वास्तुशास्त्रविभाग ने विभागीय अध्ययन मण्डल की बैठक में ऑनलाइन माध्यम से जुडे बाह्य विषयविशेषज्ञों तथा प्रत्यक्ष रूप से समागत अध्ययन मण्डल के अन्य सदस्यों का धन्यवाद ज्ञापित किया। तदनन्तर शान्तिमन्त्र के साथ उपवेशन की सम्पूर्ति हुई।

(डॉ. प्रवेश व्यास)) (डॉ. देशबन्धु) (डॉ. अशोक थपलियाल)

(डॉ. रश्मि चतुर्वेदी) (प्रो. श्यामदेव मिश्र) (प्रो. विनय कुमार पाण्डेय)

(प्रो. देवीप्रसाद त्रिपाठी)

सहायक कुलसचिव (शैक्षणिक)
Assistant Registrar (Academic)
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी–४, कुतुब सास्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
बी-4, कुतुब संस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016

वास्तुशास्त्र विभागीय अध्ययन मण्डल
उपवेशन कार्यवृत्त

दिनांक 14 जुलाई 2023 को अपराह्न 3:00 बजे वास्तुशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो. देवीप्रसाद त्रिपाठी जी की अध्यक्षता में कक्ष संख्या 104 में विभागीय अध्ययन मण्डल की बैठक आयोजित की। इस उपवेशन में विभागीय अध्ययन मण्डल के निम्नलिखित सदस्य समुपस्थित रहे-

1- प्रो. देवीप्रसाद त्रिपाठी, अध्यक्ष वास्तुशास्त्र विभाग	-	अध्यक्ष
2- प्रो. विनय कुमार पाण्डेय (वाह्य विषयविशेषज्ञ)	-	सदस्य
3- प्रो. श्यामदेव मिश्र (बाह्य विषयविशेषज्ञ)	-	सदस्य
4- डॉ. रश्मि चतुर्वेदी, सहाचार्या ज्योतिष (अन्तः विषयविशेषज्ञा)	-	सदस्य
5- डॉ. अशोक थपलियाल, सहाचार्य वास्तुशास्त्र	-	सदस्य
6- डॉ. देशबन्धु, सहायकाचार्य वास्तुशास्त्र	-	सदस्य
7- डॉ. प्रवेश व्यास, सहायकाचार्य वास्तुशास्त्र	-	सदस्य

इनमें वाह्य विषयविशेषज्ञ प्रो. विनय कुमार पाण्डेय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी तथा प्रो. श्यामदेव मिश्र, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, लखनऊ परिसर इस उपवेशन में गूगल मीट ऑनलाइन माध्यम से समुपस्थित रहे। जबकि अन्य सदस्य ऑफलाइन माध्यम से उपस्थित रहे।

मङ्गलाचरण के उपरान्त इस उपवेशन में राष्ट्रीय शिक्षानीति 2020 के परिप्रेक्ष्य में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के द्वारा दिसम्बर 2022 में जारी फ्रेमवर्क के अनुसार वास्तुशास्त्र विभाग के लिए नवीन पाठ्यक्रम पर गहन विचार विमर्श के उपरान्त निम्नलिखित प्रस्ताव पारित किये गये –

1- यह स्नातक सम्मानित शोध सहित (UG Honours with Research) चतुर्वर्षीय पाठ्यक्रम कुल मिलाकर 160 Credits का होगा, जिसमें कुल आठ सत्रार्ध होंगे।

2- प्रथम वर्ष के 2 सत्रार्धों में कुल 40 Credits अर्जित करने के उपरान्त पाठ्यक्रम छोड़ने वाले छात्रों को Skill based Courses में अर्जित 6 Credits में योजित Summer Term या Internship/ Apprenticeship के समय प्रस्तुत Work based Vocational Course में 4 क्रेडिट प्राप्त करने पर वास्तुशास्त्र में शास्त्री प्रमाणपत्र (UG Certificate) प्रदान किया जायेगा।

14.7.23

सहायक कुलसचिव (शैक्षणिक)
Assistant Registrar (Academic)
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी–४, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

3- प्रथम एवं द्वितीय वर्ष में (2 वर्षों के 4 सत्रार्धों में) कुल 80 Credits अर्जित करने के उपरान्त पाठ्यक्रम छोड़ने वाले छात्रों को Summer Term में Skill based Vocational Course में प्रथम एवं द्वितीय वर्ष में 4 क्रेडिट पास करने पर वास्तुशास्त्र में शास्त्री उपाधिपत्र (UG Diploma) प्रदान किया जायेगा।

4- प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष में (3 वर्षों के 6 सत्रार्धों में) प्रायोगिक 400 Level में कुल 120 Credits अर्जित करने के उपरान्त पाठ्यक्रम छोड़ने वाले छात्रों को वास्तुशास्त्र में शास्त्री उपाधि (UG Degree) प्रदान की जायेगी।

5- प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ वर्ष में (4 वर्षों के 8 सत्रार्धों में) कुल 160 Credits अर्जित करने के उपरान्त छात्रों को वास्तुशास्त्र में शास्त्री सम्मानित शोधसहित (UG Honours with Research) की उपाधि प्रदान की जायेगी।

6- वास्तुशास्त्र के पाठ्यक्रम में Major (Core) के कुल 80 Credits में प्रथम सत्रार्ध में 4 Credit का एक प्रश्नपत्र, द्वितीय सत्रार्ध में भी 4 Credit का एक प्रश्नपत्र, तृतीय सत्रार्ध में 4-4 Credits के दो प्रश्नपत्र, चतुर्थ सत्रार्ध में 4-4 Credits के चार प्रश्नपत्र, पंचम सत्रार्ध में 4-4 Credits के तीन प्रश्नपत्र, षष्ठ सत्रार्ध में 4-4 Credits के चार प्रश्नपत्र, सप्तम सत्रार्ध में 4-4 Credits के दो प्रश्नपत्र तथा अष्टम सत्रार्ध में 4-4 Credits के दो प्रश्नपत्र होंगे।

7- Minor Stream के अन्तर्गत वास्तुशास्त्र का चयन करने वाले छात्रों को कुल 32 Credits में प्रथम सत्रार्ध में 4 Credit का एक प्रश्नपत्र, द्वितीय सत्रार्ध में 4 Credit का एक प्रश्नपत्र, तृतीय सत्रार्ध में 4 Credit का एक प्रश्नपत्र, चतुर्थ सत्रार्ध में 4 Credit का एक प्रश्नपत्र, पंचम सत्रार्ध में 4 Credit का एक प्रश्नपत्र, षष्ठ सत्रार्ध में 4 Credit का एक प्रश्नपत्र, सप्तम सत्रार्ध में 4-4 Credits के दो प्रश्नपत्रों का अध्ययन करना होगा।

8- Multi-disciplinary के अन्तर्गत भारतीय वास्तुशास्त्र का चयन करने वाले छात्रों को कुल 09 Credits में प्रथम सत्रार्ध में 3 Credit का एक प्रश्नपत्र, द्वितीय सत्रार्ध में 3 Credit का एक प्रश्नपत्र तथा तृतीय सत्रार्ध में भी 3 Credit का एक प्रश्नपत्र का अध्ययन करना होगा। इस पाठ्यक्रम का अध्ययन का माध्यम संस्कृत / हिन्दी रखा जा सकता है।

9- विभागीय अध्ययन मण्डल में उपर्युक्त Major (core), Minor stream तथा Multi-disciplinary Courses के प्रश्नपत्रों में अध्यापन हेतु विषयवस्तु का भी गहन विचारोपरान्त निर्धारण किया गया है।

10- Major (core) में शास्त्री प्रमाणपत्र (प्रथम वर्ष) के प्रथम सत्रार्ध में वास्तुशास्त्र का परिचय का एक प्रश्नपत्र तथा द्वितीय सत्रार्ध में जन्मकुण्डली परिचय का भी एक प्रश्नपत्र रखा गया है। शास्त्री उपाधिपत्र (द्वितीय वर्ष) तृतीय सत्रार्ध में वास्तुरत्नावली (दिक्साधनतः समाप्तिपर्यन्तम्) एवं मुहूर्त्तचिन्तामणि (शुभाशुभनक्षत्रप्रकरणे) तथा चतुर्थ सत्रार्ध में चार प्रश्नपत्र क्रमशः वास्तुविद्या (1-

14.7.23

सहायक कुलसचिव (शैक्षणिक)
Assistant Registrar (Academic)
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी–४, कुतुब सारथानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

8 अध्याय), मुहूर्तचिन्तामणि (मुहूर्तप्रकरण [illegible] पर्यन्तम्) विवाहपटल (1-6 अध्याय), एवं ज्ञानमालिकाकार [illegible] निर्धारित किये गये। शास्त्री स्नातक (तृतीयवर्ष) पंचम सत्रार्ध में तीन प्रश्नपत्र क्रमशः मुहूर्तचिन्तामणि ([illegible] पर्यन्तम्) वास्तुविद्या ([illegible] अध्याय) एवं वास्तुमञ्जरी ([illegible] पर्यन्तम्) तथा षष्ठ सत्रार्ध में [illegible] प्रश्नपत्र क्रमशः [illegible] (1-2 अध्यायौ), [illegible]मण्डनम्, बृहत्संहिता ([illegible] पर्यन्तम्) एवं आधुनिक वास्तुकला रखे गये हैं। शास्त्री सम्मानित शोधसहित (चतुर्थवर्ष) सप्तमसत्रार्ध में तीन प्रश्नपत्र क्रमशः मनुष्यालय चन्द्रिका, प्रासादमण्डनम् एवं समराङ्गणसूत्रधार (01-11 अध्याया), तथा अष्टम सत्रार्ध के दो प्रश्नपत्र क्रमशः समराङ्गणसूत्रधार (12-20 अध्याया) एवं [illegible] सूर्यसिद्धान्तस्य च [illegible] निर्धारित किये गये हैं। इस प्रकार Major (core) पाठ्यक्रम में 80 credits के कुल 20 प्रश्नपत्र होंगे। प्रत्येक प्रश्नपत्र 100 अंकों का होगा, जिसमें 80 अंकों (03 क्रेडिट) का सैद्धान्तिक तथा 20 अंकों (01 क्रेडिट) का अनुशिक्षण / प्रायोगिक मूल्याङ्कन होगा।

11- Minor stream में शास्त्री प्रमाणपत्र (प्रथम वर्ष) के प्रथम सत्रार्ध में वृहद्वास्तुमाला (आदितः गृहप्रवेशप्रकरणान्तम्) का एक प्रश्नपत्र तथा द्वितीय सत्रार्ध में देवतामूर्तिप्रकरणम् का भी एक प्रश्नपत्र रखा गया है। शास्त्री उपाधिपत्र (द्वितीय वर्ष) तृतीय सत्रार्ध में एक प्रश्नपत्र वृहद्वास्तुमाला (चरणिविचारतः प्रतिष्ठाप्रकरणपर्यन्तम्) तथा चतुर्थ सत्रार्ध में भी एक प्रश्नपत्र भुवनकोशविमर्शः निर्धारित किया गया। शास्त्री स्नातक (तृतीयवर्ष) पंचम सत्रार्ध में एक प्रश्नपत्र शिल्पशास्त्र विश्ववल्लभवृक्षायुर्वेदश्च तथा षष्ठ सत्रार्ध में भी एक प्रश्नपत्र वास्तुसारः (वास्तुविधानतः वास्तुविन्यासपर्यन्तम्) रखे गये हैं। शास्त्री सम्मानित शोधसहित (चतुर्थवर्ष) सप्तमसत्रार्ध में दो प्रश्नपत्र क्रमशः वास्तुराजवल्लभमण्डनम् एवं वास्तुसारः(कालविधानतः वृक्षारोपणप्रकरणपर्यन्तम्) निर्धारित किये गये हैं। इस प्रकार Minor stream पाठ्यक्रम में 32 credits के कुल 08 प्रश्नपत्र होंगे प्रत्येक प्रश्नपत्र 100 अंकों का होगा, जिसमें 80 अंकों (03 क्रेडिट) का सैद्धांतिक तथा 20 अंकों (01 क्रेडिट) का अनुशिक्षण / प्रायोगिक मूल्याङ्कन होगा।

12- Multi-disciplinary के अन्तर्गत भारतीय वास्तुशास्त्र का चयन करने वाले छात्रों के लिए शास्त्री प्रमाणपत्र (प्रथम वर्ष) के प्रथम सत्रार्ध में एक प्रश्नपत्र भारतीय वास्तुशास्त्र तथा द्वितीय सत्रार्ध में भी एक प्रश्नपत्र भवननिवेश रखा गया है। शास्त्री उपाधिपत्र (द्वितीय वर्ष) तृतीय सत्रार्ध में एक प्रश्नपत्र चित्रलक्षणम् निर्धारित किया गया। इस प्रकार Multi -disciplinary पाठ्यक्रम में 09 credits के कुल 03 प्रश्नपत्र होंगे। इस पाठ्यक्रम में 3 credits के कुल 03 प्रश्नपत्र होंगे । प्रत्येक प्रश्नपत्र 75 अंकों का होगा ।

13- इससे पूर्व में Choice based credit System पर आधारित त्रिवर्षीय शास्त्री (सम्मानित) पाठ्यक्रम से NEP 2020 पर आधारित प्रस्तावित चतुर्वर्षीय पाठ्यक्रम पर्याप्तरूप से भिन्न है। Choice based credit System पर प्रचलित पाठ्यक्रम में Core Courses में 6-6 credits के कुल 14 प्रश्नपत्र (कुल 84 credits) निर्धारित थे, जबकि NEP 2020 पर आधारित प्रस्तावित त्रिवर्षीय

सहायक कुलसचिव (शैक्षणिक)
Assistant Registrar (Academic)
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी-4, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

स्नातक पाठ्यक्रम में 4-4 credits के कुल 15 पाठ्यक्रम (कुल 60 credits) निर्धारित हैं। साथ ही इसमें Internship के लिए भी 2 credits निर्धारित हैं। इसमें विषयवस्तु छात्रों के लिए Minor stream के 32 credits तथा Multi-disciplinary के 09 credits के पाठ्यक्रम वास्तुशास्त्र के विस्तृत एवं गहन अध्ययन की दृष्टि से अत्यन्त महत्त्वपूर्ण हैं।

14- विषयवस्तु की दृष्टि से Choice based credit System पर आधारित पाठ्यक्रम में NEP 2020 पर आधारित प्रस्तावित पाठ्यक्रम में प्रायः 50 प्रतिशत Core Courses में ग्रहण किया गया है। Minor stream में प्रायः 13 प्रतिशत ग्रहण किया गया है। Multi-disciplinary के पाठ्यक्रम में 37 प्रतिशत विषयवस्तु नूतन की गयी है। इस प्रकार प्रस्तावित पाठ्यक्रम में प्रायः 54 प्रतिशत विषयवस्तु की दृष्टि से Choice based credit System पर आधारित पाठ्यक्रम में NEP 2020 पर आधारित प्रस्तावित पाठ्यक्रम में ग्रहण किया गया है। जिससे छात्रों के लिए यह विषय उपादेय हो सके।

15- समिति ने विस्तृत विचार विमर्श के उपरांत यह निर्णय लिया कि वास्तुशास्त्र विभाग में प्राचीन एवं अर्वाचीन सिद्धान्तों के सम्यग् अध्ययन हेतु भारतीय वास्तुकला के नाम से नूतन पाठ्यक्रम समग्र बी.ए (स्नातक), एम. ए. (स्नातकोतर) एवं शोध स्तर पर खोला जाय। NEP 2020 की मूल अवधारणा के अनुरूप भारतीय वास्तुकला एवं अभियान्त्रिकी के वैभव को जनसामान्य तक पहुँचाने एवं उससे लाभ लेने हेतु इस शास्त्र का परिचयात्मक एवं विस्तृत अध्ययनात्मक समावेश की दृष्टि से यह पाठ्यक्रम हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम से विश्वविद्यालय में नितान्त आवश्यक है। समग्र पाठ्यक्रम का निर्माण वास्तुशास्त्र विभाग द्वारा विश्वविद्यालय की यथाविधि सैद्धान्तिक स्वीकृति के उपरान्त किया जा सकता है।

उपवेशन के अन्त में अध्यक्ष-वास्तुशास्त्रविभाग ने विभागीय अध्ययन मण्डल की बैठक में ऑनलाइन माध्यम से जुड़े बाह्य विषयविशेषज्ञों तथा प्रत्यक्ष रूप से समागत अध्ययन मण्डल के अन्य सदस्यों का धन्यवाद ज्ञापित किया। तदनन्तर शान्तिमन्त्र के साथ उपवेशन की सम्पूर्ति हुई।

(डॉ. प्रवेश व्यास))

(डॉ. देशबन्धु)

14.7.23

(डॉ. अशोक थपलियाल)

(डॉ. रश्मि चतुर्वेदी)

(प्रो. श्यामदेव मिश्र)

(प्रो. विनय कुमार पाण्डेय)

(प्रो. देवीप्रसाद त्रिपाठी)

सहायक कुलसचिव (शैक्षणिक)
Assistant Registrar (Academic)
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी–४, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
बी-४ कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-११००१६

विषय: विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार Curriculum and Credit Framework for Undergraduate Programmes के अनुसार पाठ्यक्रम तैयार करने हेतु अध्ययन मण्डल की बैठक का कार्यवृत्त।

दिनांक 19.06.2023 को आयोजित विद्यापरिषद् की सातवीं बैठक (7.3) में लिये गये निर्णयों के अनुपालन में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार Curriculum and Credit Framework for Undergraduate Programmes के अनुसार वेद विभाग द्वारा शास्त्री कक्षा (तीन वर्षीय) हेतु तैयार पाठ्यक्रम प्रारूप को स्वीकृत करने हेतु आज दिनांक 12.07.2023 को वेद विभाग के अध्ययन मण्डल का उपवेशन ऑनलाईन/ऑफलाईन माध्यम से आयोजित किया गया, जिसमें निम्नलिखित सदस्य उपस्थित हुए:-

1.	प्रो. रामानुज उपाध्याय, विभागाध्यक्ष, वेद विभाग	- अध्यक्ष
2.	प्रो. गोपालप्रसाद शर्मा, वेद विभाग	- सदस्य
3.	डॉ. देवेन्द्र प्रसाद मिश्र, वेद विभाग	- सदस्य
4.	डॉ. सुन्दर नारायण झा, वेद विभाग	- सदस्य
5.	प्रो. रामराज उपाध्याय, पौरोहित्य विभाग	- सदस्य
6.	प्रो. राममूर्ति चतुर्वेदी, महात्मा गाँधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी	- बाह्य सदस्य

बैठक में उपस्थित सदस्यों को विभागाध्यक्ष द्वारा अवगत करवाया गया कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा प्रेषित दिशा-निर्देशों के अनुसार राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में प्रदत्त प्रावधानों के अनुपालन में विश्वविद्यालय द्वारा लिये गये निर्णयों के अनुसार प्रथम चरण में शास्त्री (B.A.) हेतु पाठ्यक्रम प्रारूप उक्त समिति द्वारा निर्धारित विवरण के अनुसार वेद विभाग का नवीन पाठ्यक्रम प्रारूप तैयार किया जा चुका है। तथा शैक्षणिक सत्र 2023-24 में पंजीकृत छात्रों पर लागू किया जायेगा।

सत्यापित
VERIFIED

अध्ययन मण्डल द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा जारी प्रपत्र 12/12/2022 के अनुसार प्रेषित Curriculum and Credit Framework for Undergraduate Programmes हेतु जारी

सहायक कुलसचिव (शैक्षणिक)
Assistant Registrar (Academic)
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी-४, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

कुलसचिव / Registrar
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी-4, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

दिशा-निर्देशों को संज्ञान में लेते हुए वेद विषय के पाठ्यक्रम को तैयार करने हेतु निम्नलिखित संस्तुतियाँ पारित की गई:-

1. मूल शास्त्री विषय के कुल 20 प्रश्न पत्र होंगे (तीन वर्ष के अवधि हेतु 15 प्रश्न तथा चार वर्ष के अवधि हेतु 20 प्रश्न पत्र) प्रत्येक प्रश्न पत्र 4 क्रेडिट का होगा। कुल क्रेडिट 60/80 होंगे।
2. विषयान्तर्गत (Minor Stream) मूल विषय के साथ-साथ छात्र को अन्य पाठ्यक्रम जो विषय के सहायक/उन्नत/विशिष्ट या अति विशिष्ट के रूप में है। उसके अन्तर्गत वेद विभाग द्वारा कुल 08 प्रश्न पत्रों का अध्ययन-अध्यापन करवाया जायेगा। (24/32 क्रेडिट, प्रत्येक प्रश्न पत्र 04 क्रेडिट का होगा।)
3. ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप (02/04 क्रेडिट का होगा।)
4. अनुसंधान परियोजना / शोध प्रबंध (0/12 क्रेडिट का होगा।)
5. अध्ययन मण्डल द्वारा छात्रों/स्टेकहोल्डरों से प्राप्त फीडबैक तथा नियमों को संज्ञान में लेते हुए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में प्रदत्त प्रावधानों के अनुपालन में पूर्व में निर्धारित पाठ्यक्रम में 35 प्रतिशत संशोधन कर नवीन पाठ्यक्रम को तैयार कर लागू करने की अनुशंसा की गई।
6. अध्ययन मण्डल द्वारा यह अनुशंसा भी की गई की यदि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा पाठ्यक्रम में संशोधन हेतु किसी प्रकार के दिशा-निर्देश जारी किये जाते हैं तो संबंधित नियमों के अनुपालन में विभाग द्वारा तैयार पाठ्यक्रम में वांछित संशोधन किया जायेगा तथा संशोधित पाठ्यक्रम यथावत् लागू माना जायेगा।

संलग्नक: पाठ्यक्रम

अध्ययन समिति में आनलाइन उपस्थित

(राममूर्ति चतुर्वेदी) 12/7/23

(रामराज उपाध्याय)

(गोपालप्रसाद शर्मा)

(देवेन्द्र प्रसाद मिश्र)

(सुन्दर नारायण झा)

(रामानुज उपाध्याय) 12.7.23

सत्यापित
VERIFIED

कुलसचिव / Registrar
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी-4, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

सहायक कुलसचिव (शैक्षणिक)
Assistant Registrar (Academic)
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी-४, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

GM AC
29/8/22
-4-

बैठकें आयोजित कर विस्तृत प्रस्ताव स्वीकृत हेतु प्रस्तुत करेंगे। तदुपरान्त नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही सम्पन्न की जाएगी।

विद्या परिषद् के संज्ञान में लाया गया कि विद्या परिषद् की पंचम बैठक में लिये गये उपरोक्त निर्णय के अनुपालन में मानविकी विभाग द्वारा एम.ए. अंग्रेजी पाठ्यक्रम संचालित करने हेतु पाठ्यक्रम प्रारूप एवं अन्य दिशा-निर्देश निर्धारित करने के सम्बन्ध में दिनांक 23.06.2022 एवं 24.06.2022 को अध्ययन मण्डल की बैठक आयोजित की गई। अध्ययन मण्डल द्वारा पारित संस्तुतियों के अनुसार सक्षम अधिकारी की स्वीकृति उपरान्त शैक्षणिक सत्र 2022-23 से एम.ए. अंग्रेजी पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु प्रवेश प्रक्रिया प्रारम्भ करने हेतु आवश्यक कार्यवाही की जा रही है।

ज्योतिष विभाग के अन्तर्गत आधुनिक विषयों (गणित विज्ञान, खगोल शास्त्र आदि) को संचालित करने के सम्बन्ध में यह निर्णय लिया गया कि ज्योतिष विभाग उपर्युक्त नये विषयों हेतु पाठ्यक्रम विवरण, प्रवेश आर्हता प्रवेश हेतु निर्धारित स्थान तथा अन्य सम्बन्धित दिशा-निर्देश तैयार कर अध्ययन मण्डल की बैठक आयोजित कर कृतकार्यवाही की रिपोर्ट विद्या परिषद् की आगामी बैठक में प्रस्तुत करें। तदुपरान्त नियमानुसार नये विषयों को संचालित करने पर विद्या परिषद् द्वारा निर्णय लिया जायेगा।

संकल्प संख्या ६.३: शोध उपाधि समिति द्वारा संस्तुत माह जनवरी २०२२ से जुलाई २०२२ तक विद्यावारिधि (पी.एच.डी) छात्रों की सूची विद्या परिषद् की पुष्टि हेतु प्रस्तुत।

शोध उपाधि समिति द्वारा संस्तुत (22) शोध छात्रों को जारी अस्थायी प्रमाण-पत्र की सूची की विद्या परिषद् द्वारा पुष्टि की गई । विद्या परिषद् द्वारा यह सुझाव भी दिया गया कि शोध छात्रों को अपना शोध प्रबन्ध तैयार करते समय भाषा दक्षता तथा शोध प्रबन्ध तैयार करने हेतु निर्धारित सभी नियमों का पूर्ण रूप से अनुपालन करना अनिवार्य होगा। सम्बन्धित विभागों द्वारा अपने-अपने विभाग में पंजीकृत शोध छात्रों को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा जारी साहित्यिक चोरी रोकथाम विनियम में प्रदत्त सभी नियमों से भी अवगत करवाया जाए ताकि शोध छात्रों को अपना शोध प्रबन्ध तैयार करते समय किसी प्रकार की असुविधा ना हो।

संकल्प संख्या ६.४: राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० में प्रदत्त प्रावधानों के अनुसार स्नातक स्तर की उपाधि (तीन/चार वर्ष की अवधि) शास्त्री / बी.ए. योग प्रथम वर्ष (प्रथम, द्वितीय एवं तृतीस वर्ष के लिए) पाठ्यक्रम तैयार करने हेतु गठित पाठ्यक्रम प्रारूप समिति की दिनांक ६.०४.२०२२ को आयोजित बैठक का कार्यवृत्त तथा विभागों द्वारा तैयार नवीन पाठ्यक्रम विद्या परिषद् की पुष्टि हेतु प्रस्तुत।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एवं विकल्प आधारित क्रेडिट प्रणाली में प्रदत्त प्रावधानों के अनुपालन में पाठ्यक्रम प्रारूप समिति द्वारा तैयार शास्त्री/बी.ए. योग, प्रथम वर्ष, द्वितीय वर्ष एवं तृतीय वर्ष के छात्रों हेतु निर्धारित नवीन पाठ्यक्रम प्रारूप को विश्वविद्यालय में लागू करने की विद्या परिषद् द्वारा पुष्टि की गई। सभी विभाग नवीन पाठ्यक्रम के अनुसार ही अध्ययन अध्यापन सुनिश्चित करेंगे। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार स्नातक स्तर की उपाधि (तीन/चार वर्ष की अवधि) शास्त्री / बी.ए. योग चतुर्थ वर्ष हेतु पाठ्यक्रम प्रारूप निर्धारित करने हेतु आवश्यक कार्यवाही सम्पन्न की जाए।

सत्यापित
VERIFIED

कुलसचिव / Registrar
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी-4, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

सहायक कुलसचिव (शैक्षणिक)
Assistant Registrar (Academic)
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी-४, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016